Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 299 | मंगलवार, 03 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

प्रधानमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो-2026 का किया उद्घाटन

सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और ऊर्जा भंडारण को बढ़ावा देने पर जोर, 500 गीगावाट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच स्वच्छ ऊर्जा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी हैं। ऐसे में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश और तकनीकी विकास भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। देश अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले हासिल कर चुका है। अब अगले 10 से 11 वर्षों में 500 गीगावाट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता जोड़ने का लक्ष्य है।

उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि योजना शुरू होने के बाद 65 लाख से अधिक परिवार रूफटॉप सौर ऊर्जा अभियान से जुड़ चुके हैं। इसके माध्यम से लोगों के बिजली बिलों में कमी आई है। वहीं, 44 हजार से अधिक सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से जोड़ने से प्रतिवर्ष लगभग 700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। पीएम-कुसुम योजना के तहत 30 लाख से अधिक किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई की सुविधा मिली है।

प्रधानमंत्री ने हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत की प्रगति को भी रेखांकित किया। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस दशक के अंत तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने परिवहन क्षेत्र में इसके इस्तेमाल को बढ़ावा देने और हरित हाइड्रोजन आधारित तकनीकों के विकास पर जोर दिया। ऊर्जा वितरण व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सौर और पवन ऊर्जा से उत्पादित बिजली को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के लिए हरित ऊर्जा कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। 'एक राष्ट्र, एक पावर ग्रिड' के तहत पांच क्षेत्रीय ग्रिडों को एकीकृत किया गया है। पारेषण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग दो लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य है।

स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में भारत की सौर मॉड्यूल विनिर्माण क्षमता दो गीगावाट से बढ़कर 200 गीगावाट से अधिक हो गई है। देश में लगभग 40 गीगावाट की सौर सेल विनिर्माण क्षमता भी विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता से देश में रोजगार और औद्योगिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने सरकारी भवनों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों और स्ट्रीट लाइट नेटवर्क को सौर ऊर्जा से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने किसानों को खेतों की खाली जमीन और मेड़ों पर सौर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा कृषि और डेयरी क्षेत्र में सौर ऊर्जा आधारित उपकरणों के इस्तेमाल को बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही बैटरी और ऊर्जा भंडारण तकनीक के विकास में युवाओं, शोधकताओं और स्टार्टअप को आगे आने का आह्वान किया। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। वर्ष 2024 के बाद पिछले दो वर्षों में ही छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। इस दशक के अंत तक इस क्षेत्र में 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावना है। उन्होंने वैश्विक निवेशकों को भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने अफ्रीका के लिए 200 मिलियन डॉलर की अफ्रीका सोलर फैसिलिटी का प्रस्ताव भी रखा।

मोदी विदेशी मदद से बने हुए हैं प्रधानमंत्री: राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर विदेशी मदद से सत्ता में आने और पद पर बने रहने का आरोप लगाते हुए उन्हें विदेशी समर्थन तथा देश की आर्थिक व्यवस्था पर खुली बहस की चुनौती दी है।

गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, 'मोदी जी, इस देश से झूठ बोलना बंद कीजिए। आप विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और विदेशी मदद से ही प्रधानमंत्री बने हुए हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि देश की आर्थिक व्यवस्था पूरी तरह विदेशियों के नियंत्रण और समर्थन में है तथा विदेशी सोशल मीडिया भी पूरी तरह श्री मोदी का समर्थन करता है।

श्री गांधी ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि वह श्री मोदी के साथ किसी भी मंच पर और किसी भी समय इस मुद्दे पर बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ' मैं आपको इस मुद्दे पर खुली बहस की चुनौती देता हूं। कोई भी मंच, किसी भी समय। हिम्मत है तो आइए।

आप नहीं आएंगे, क्योंकि जो मैं आपके बारे में जानता हूं, आप उससे डरते हैं।' इसके साथ ही श्री गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में छपी खबर की क्लिप भी पोस्ट की है जिसमें श्री मोदी का बयान 'बाधा डालने वाली ताकतें देश को बांटने की कोशिश कर रही हैं, अफवाहें फैलाने के लिए किया जा रहा है सोशल मीडिया का इस्तेमाल' है।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, मजिस्ट्रेट को सौंपी जांच की कमान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाए गए दान के पैसे में कथित हेराफेरी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट से निचली अदालत पहुंच गया है। मंदिर में चढ़ावे की रकम चोरी होने के आरोपों पर दायर याचिकाओं को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने निपटा दिया है। जिसके साथ ही, यूपी सरकार ने अदालत को बताया कि मामले में रक्ळ आरोपपत्र दाखिल कर चुका है। इसके बाद कोर्ट ने मजिस्ट्रेट को कानून का पालन करते हुए आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने साफ किया कि उसने आरोपों की सच्चाई या मामले के गुण-दोष पर कोई राय नहीं दी है। हालांकि, मामले से जुड़े जनहित को देखते हुए याचिकाकताओं को भी सुनवाई में अपनी बात रखने की अनुमति दी गई है। वे उसी तरह मजिस्ट्रेट की मदद कर सकेंगे, जैसे किसी आपराधिक मामले में पीड़ित पक्ष को सहायता करने का अधिकार मिलता है।

रक्ळ की जांच में मंदिर के दान की गिनती के दौरान नकदी को कथित तौर पर बिना अनुमति निकालने या छिपाने की 105 घटनाएं सामने आई थीं। जांच टीम ने CCTV फुटेज और दूसरे डिजिटल सबूतों की मदद से इन घटनाओं की पहचान की। मामले में 8 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

SIT ने 23 सितंबर को अयोध्या की स्थानीय अदालत में 8 आरोपियों के खिलाफ करीब 70 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी।

आरोपियों में अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रामाशंकर मिश्रा, राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू और सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं।

पुलिस ने 7 आरोपियों से कथित हेराफेरी से जुड़ी 79.85 लाख रुपये की रकम बरामद की है। जांच में 173 गवाहों के बयान भी दर्ज किए गए।

कुशीनगर में भीषण सड़क हादसा, कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर, 6 लोगों की मौत, 2 घायल



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सोमवार को भीषण सड़क हादसा पेश आया है। यहां हाटा कोतवाली क्षेत्र के थरुआडीह के पास कार और ट्रकी की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 2 लोग घायल हुए हैं।

घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय कार में कुल 8 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार हादसे के समय कार सवार ये सभी लोग किसी कार्यक्रम से वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी उनके साथ यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ दो दिन जला सकेंगे ग्रीन पटाखे, सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राहत दी है। शीर्ष अदालत ने 7 और 8 नवंबर को ग्रीन पटाखे जलाने की परमिशन दे दी है। हालांकि, इसके लिए समय की पाबंदी लागू रहेगी। इन दोनों दिनों में सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे जलाए जा सकेंगे। 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा।

सोमवार को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्न बी वराले की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान पटाखा कारोबारियों के लाइसेंस पर लगी रोक को भी अस्थायी रूप से हटा दिया है, उन्हें 4 से 6 नवंबर तक ग्रीन पटाखों के ब्रिकी की अनुमति दी गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि लाइसेंस प्राप्त इन व्यापारियों को उरक्ळ ठएएफ्क द्वारा पास किए गए सिर्फ ग्रीन पटाखों के स्टॉक, बिक्री की परमिशन है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि निगरानी रखें कि ग्रीन पटाखों की आड़ में पारंपरिक पटाखें बाजार में न आ पाएं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया है कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक और जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में किसी भी तरह के पटाखे नहीं जलाए जा सकेंगे। अदालत के निदेर्शों के मुताबिक, इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखें सिर्फ 7 और 8 नवंबर को ही जला सकेंगे। इसके 6 से 7 बजे तक और रात में 8 से 10 बजे तक की टाइमिंग तय की गई है। 8 नवंबर के बाद पूरी तरह से पटाखों पर बैन रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि ग्रीन पटाखों के डिब्बे पूरी तरह से सील होने चाहिए, ताकि इनमें किसी भी प्रकार पारंपरिक या अन्य प्रकार को पटाखों की मिलावट न हो सके। अदालत ने कहा है ग्रीन पटाखों के सभी डिब्बों पर दफ कोड होना अनिवार्य है, जिसे स्कैन करके बनाने वाली कंपनी, लाइसेंस, पटाखे में इस्तेमाल की गई सामग्री की जानकारी प्राप्त की जा सके।

सपा जब भी सत्ता में आई, यूपी में तबाही लाई: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 520 करोड़ रुपये से अधिक की 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा जब भी सत्ता में आई, उत्तर प्रदेश में तबाही लाई। उसके शासन में दंगे, कर्फ्यू और अपराध का बोलबाला था। पर्व-त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। गरीबों के हक और नौजवानों के रोजगार पर डकैती डाली जाती थी। बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा खतरे में रहती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में दंगा और कर्फ्यू नहीं है। लोग निर्भय होकर त्योहार मना रहे हैं। सपा और कांग्रेस अपराधियों को प्रश्रय देती हैं, जबकि भाजपा सरकार बदलाव लाती है और आस्था को सम्मान देती है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोंडा के छपिया विकासखंड की ग्राम पंचायत तेजपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी 520 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सड़क, शिक्षा और सेतु से जुड़ी इन परियोजनाओं के साथ विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, स्वीकृति पत्र और अन्य सामग्री भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने दो नवंबर 1990 की घटना याद दिलाते हुए कहा कि इसी दिन अयोध्या में तत्कालीन सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई थीं।

उन्होंने कहा कि सपा ने रामभक्तों को गोलियों से लहूलुहान किया, जबकि भाजपा सरकार ने रामभक्तों पर पुष्पवर्षा कर राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने आरोप लगाया कि सपा सरकार में माफिया राज था, जबकि बसपा सरकार में पार्टी प्रमुख के जन्मदिन के नाम पर जनप्रतिनिधियों से वसूली होती थी। उन्होंने कहा कि पहले बिजली, राशन और महिलाओं की सुरक्षा की समस्या थी।

अब किसानों को सिंचाई के लिए बिजली, गरीबों को मुफ्त राशन और महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से रोजगार मिल रहा है। गोंडा में मेडिकल कॉलेज, पुलों और सड़कों का निर्माण हुआ है। गौरा विधायक प्रभात वर्मा ने कहा कि क्षेत्र में अब पांच राजकीय



सपाई और कसाई को परेशानी है तो अपने घर में शोक मनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कोई सनातन धर्मावलंबी अपने घर में मां दुर्गा की पूजा करता था तो कोई सपाई और कोई कसाई उसका विरोध करते हुए शिकायत करता था। इसके बाद लखनऊ में बैठी समाजवादी पार्टी की सरकार पूजा पर रोक लगा देती थी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष नवरात्र में प्रदेशभर में 67 हजार दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित हुईं। किसी सपाई और किसी कसाई को परेशानी होती है तो अपने घर में शोक मनाएं, लेकिन किसी को परेशान न करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कांवड़ यात्रा में बाधाएं खड़ी की जाती थीं।

गोंडा को 16 हजार करोड़ की परियोजनाएं, तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले विकास का मतलब केवल सैफई था। अब सभी 75 जिलों तक योजनाएं पहुंच रही हैं। गोंडा के लिए साढ़े नौ वर्षों में 16 हजार करोड़ रुपये से अधिक और पूरे देवीपाटन मंडल के लिए लगभग 50 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। वर्ष 2023 में गोंडा को तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले, जिनमें कई परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले गोंडा की सड़कें बदहाल थीं और क्षेत्र पिछड़ेपन से जूझ रहा था। अब गोंडा में महाराजा देवी बख्श सिंह मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय है। बहराइच में महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज बन चुका है, जबकि बलरामपुर में अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज का निर्माण अंतिम चरण में है। गोंडा-अयोध्या और बलरामपुर-गोंडा मार्ग के चौड़ीकरण को केंद्र से मंजूरी मिल चुकी है।

रामलीला मैदान से जंतर-मंतर जा रहे 22 प्रदर्शनकारियों पर FIR, मिंटो रोड पर दिल्ली पुलिस ने रोका था मार्च

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को जंतर-मंतर की ओर मार्च निकाल रहे प्रदर्शनकारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। रामलीला मैदान से निकले इस मार्च को पुलिस ने मिंटो रोड पर ही रोक दिया था। हिरासत में लिए गए 22 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अब दिल्ली पुलिस ने FIR दर्ज की है। इनमें दिशा स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन और रिवोल्यूशनरी वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया (RWPI) के सदस्य शामिल हैं। वहीं, प्रदर्शनकारियों में शामिल विशाल को अलग से हिरासत में लेकर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। इस कार्रवाई को लेकर संगठनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पुलिस के मुताबिक, रविवार 1 नवंबर को दिशा स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन और RWPI के सदस्यों ने रामलीला मैदान से जंतर-मंतर की ओर रैली निकाली थी। पुलिस ने मिंटो रोड पर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद उन्हें दो बसों में बैठाकर द्वारका सेक्टर-23 और जाफरपुर कलां पुलिस थानों में ले जाया गया। दोनों थानों में रखे गए प्रदर्शनकारियों को सोमवार तड़के करीब 2 बजे रिहा कर दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने 22 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 223(a), 132, 221, 121(1), 3(5) और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं में सरकारी आदेश की अवहेलना, लोक सेवक को ड्यूटी करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का इस्तेमाल, सरकारी काम में बाधा, जानबूझकर चोट पहुंचाने, समान इरादे और आपराधिक साजिश से जुड़े आरोप शामिल हैं।

प्रदर्शनकारियों में शामिल विशाल को बाकी लोगों से अलग कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन ले जाया गया था। उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में रखा गया। सोमवार को उसे मंदिर मार्ग स्थित स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां उससे शांति बनाए रखने के लिए पीस बॉन्ड भरने को कहा गया।

संपादक की कलम

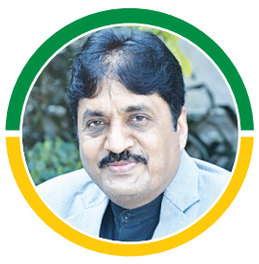
मोबाइल की दुनिया और बचपन का बिगड़ता व्यवहार



ललित शर्मा
संपादक

पंचकूला के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा छह साल की बच्ची के साथ कथित क्रूर व्यवहार की खबर ने समाज को झकझोर दिया है। समाचार में सामने आए घटनाक्रम और विद्यालय परिसर में हुई हिंसा के विवरण ने बच्चों की सुरक्षा, उनके व्यवहार और हमारी परवरिश को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर बचपन में ऐसी हिंसक प्रवृत्तियाँ कैसे जन्म ले रही हैं? क्या बच्चों के भीतर संवेदनशीलता और सहानुभूति कम हो रही है? क्या मोबाइल की दुनिया, इंटरनेट पर उपलब्ध हिंसक सामग्री और बदलते पारिवारिक वातावरण का उनके व्यवहार पर कोई प्रभाव पड़ रहा है? इन सवालों से बचना अब संभव नहीं है। किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि बच्चों में बढ़ती हिंसा का कारण केवल मोबाइल फोन है। प्रत्येक घटना के पीछे व्यक्तिगत परिस्थितियाँ, पारिवारिक वातावरण, साथियों का प्रभाव, मानसिक स्थिति और सामाजिक परिवेश जैसे अनेक कारक हो सकते हैं। फिर भी यह सच है कि बच्चों के हाथों में पहुँच चुकी डिजिटल दुनिया ने माता-पिता की जिम्मेदारियों को पहले से कहीं अधिक बढ़ा दिया है। अब बच्चों की निगरानी केवल स्कूल से लौटने के बाद उनके व्यवहार तक सीमित नहीं रह सकती। यह जानना भी आवश्यक है कि वे मोबाइल पर क्या देखते हैं, किन लोगों से बातचीत करते हैं, कौन-से खेल खेलते हैं और इंटरनेट से किस प्रकार के विचार ग्रहण कर रहे हैं। आज स्मार्टफोन बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई, शैक्षिक वीडियो और ज्ञानवर्धक सामग्री के माध्यम से तकनीक ने सीखने के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इसी माध्यम पर हिंसक दृश्य, अपमानजनक भाषा, खतरनाक चुनौतियाँ और दूसरों को नुकसान पहुँचाने वाले व्यवहार भी आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित उपयोग, अनुचित सामग्री तक पहुँच और उसके प्रभावों को समझने की कमी में है। बच्चे कई बार मनोरंजन के नाम पर ऐसी सामग्री देखते हैं, जिसके परिणामों को समझने के लिए वे मानसिक और भावनात्मक रूप से पर्याप्त परिपक्व नहीं होते। बचपन अनुकरण की अवस्था है। बच्चे अपने आसपास के लोगों को देखकर भाषा, व्यवहार और प्रतिक्रिया करना सीखते हैं। वे माता-पिता की बातचीत, परिवार के सदस्यों के आचरण, मित्रों के व्यवहार और डिजिटल माध्यमों पर दिखाई देने वाली गतिविधियों से प्रभावित होते हैं। यदि किसी बच्चे को बार-बार हिंसा, अपमान, बदले और आक्रामकता को सामान्य रूप में प्रस्तुत करने वाले दृश्य दिखाई देते हैं, तो उसके व्यवहार पर उनका प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि हर बच्चा ऐसी सामग्री देखकर हिंसक नहीं बनता, लेकिन उम्र के अनुरूप सामग्री चुनना और उसके प्रभावों पर बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है। इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। अक्सर व्यस्तता के कारण बच्चों को शांत रखने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा दिया जाता है। खाना खिलाने से लेकर उन्हें व्यस्त रखने तक, स्क्रीन एक आसान उपाय बन गई है। धीरे-धीरे यह आदत बच्चों के दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाती है और अभिभावकों का ध्यान इस बात से हट जाता है कि बच्चा वास्तव में क्या देख रहा है। बच्चे का मोबाइल पर चुपचाप लगे रहना उसकी सुरक्षा या स्वस्थ विकास का प्रमाण नहीं है। डिजिटल दुनिया में उसकी गतिविधियों की जानकारी रखना, उम्र के अनुरूप सीमाएँ निर्धारित करना और उसके साथ नियमित संवाद बनाए रखना आवश्यक है। बच्चों पर नजर रखने का अर्थ उन पर हर समय संदेह करना या उनकी निजता को पूरी तरह समाप्त कर देना नहीं है।

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने



ललित गर्ग
लेखक



लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है?

रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है।

वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है।

इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता। लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निमार्ता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं।

विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा। यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उससे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को अपनी राजनीतिक ऊर्जा का उपयोग ऐसे मुद्दों पर करना चाहिए, जो समाज के व्यापक वर्गों को प्रभावित करते हैं। विपक्षी एकता तभी सार्थक होगी, जब वह साझा नकारात्मकता के बजाय साझा सकारात्मक एजेंडे पर आधारित होगी।

56 देशों के दबाव में ब्रिटेन पर गुलामी के लिए माफी का दबाव, लेकिन मुआवजे से इनकार कायम



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर भारत ने बचपन से अपनी पाठ्यपुस्तकों में पढ़ा है कि अंग्रेजों ने हमारे देश पर शासन किया,हमारी संपत्ति का दोहन किया औरस्वतंत्रता के लिए लंबे संघर्ष के बाद 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ लेकिन आज इतिहास का एक ऐसाअध्याय फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है,जिसमें ब्रिटेन की ओर से गुलामी और औपनिवेशिक अत्याचारों के लिए औपचारिक माफी की संभावना सामने आई है, जबकि आर्थिक मुआवजे की मांग को सिरे से खारिज किया जा रहा है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि मीडिया में आई रिपोर्टिंग के अनुसार 1 से 4 नवंबर 2026 तक एंटीगुआ और बारबुडा में आयोजित राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन के दौरान यह सवाल और तीखा हो गया है कि क्या केवल दुख जताना ऐतिहासिक अन्याय का सटीकता से पर्याप्त समाधान है? साथियों बात अगर हम राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन : इतिहास, कूटनीति और भविष्य को समझने की करें तो 1 से 4 नवंबर 2026 तक सेंट जॉन्स,एंटीगुआ और बारबुडा में आयोजित 28वें राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्ष सम्मेलन में 56 देशों के नेता एकत्र हुए। सम्मेलन का आधिकारिक विषय साझेदारी और निवेश के माध्यम से समृद्ध राष्ट्रमंडल का निर्माण है,लेकिन गुलामी की विरासत, क्षतिपूर्ति,ऋण राहत और जलवायु न्याय भी चर्चा के महत्वपूर्ण मुद्दे बन गए हैं। यह बहस भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत ने लगभग 190 वर्षों के औपनिवेशिक शासन के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की और औपनिवेशिक इतिहास की स्मृति आज भी उसकी राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा है। हालांकि भारत की औपनिवेशिक विरासत और कैरेबियाई देशों की दासता की विरासत अलग-अलग हैं, दोनों ही इतिहास यह प्रश्न उठाते हैं कि साम्राज्यवादी शोषण के दीर्घकालिक प्रभावों का सामना आधुनिक राष्ट्र कैसे करें। साथियों बात अगर हम भारत पर अंग्रेजी शासनः 1757 से 1947 तक का ऐतिहासिक सफर को समझने की करें तो,भारत में अंग्रेजी राजनीतिक प्रभुत्व की शुरूआत सामान्यतः 23 जून 1757 को प्लासी के युद्ध से मानी जाती है। ईस्ट इंडिया कंपनी ने बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को पराजित कर भारतीय राजनीति में निर्णायक हस्तक्षेप की शुरूआत की। इसके बाद कंपनी ने व्यापारिक शक्ति से शासनकारी शक्ति बनने की दिशा में कदम बढ़ाए।1857 के विद्रोह के बाद 1858 में भारत का शासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया।इस प्रकार 1757 से 1947 तक लगभग 190 वर्षों का ब्रिटिश प्रभुत्व रहा,जिसमें 1858 से 1947 तक लगभग 89 वर्ष प्रत्यक्ष ब्रिटिश राजशाही का शासन था। यहां एक ऐतिहासिक अंतर समझना आवश्यक हैः भारत पर औपनिवेशिक शासन और अटलांटिक पार अफ्रीकीलोगों की दासता एक ही कानूनी व्यवस्था नहीं थीं। भारत में अंग्रेजों ने राजनीतिक अधीनता आर्थिक शोषण, संसाधनों के दोहन और औपनिवेशिक प्रशासन के माध्यम से शासन किया, जबकि ट्रांस-अटलांटिक दास व्यापार में लाखों अफ्रीकी लोगों को जबरन पकड़कर, बेचकर और पीढ़ियों तक संपत्ति की तरह रखकर गुलाम बनाया गया।दोनों इतिहासों में अत्याचार और शोषण के गंभीर अध्याय हैं,लेकिन उनकी ऐतिहासिक परिस्थितियां और कानूनी स्वरूप सटीकता से अलग-अलग थे। साथियों बात अगर हम ब्रिटेन की माफी की पेशकशः अचानक क्यों बदला रुख?को समझने की करें तो,30 अक्टूबर 2026 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने द गार्जियन में प्रकाशित अपने लेख में कहा कि ब्रिटेन ट्रांस-अटलांटिक दास व्यापार से प्रभावित देशों के साथ संरचित संवाद शुरू करने के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटिश राज्य की ओर से औपचारिक माफी की मांगों को सुनना इस संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा और वे इसके लिए खुले हैं।उन्होंने लाखों लोगों के दर्द और पीड़ा के प्रति दुख और खेद भी व्यक्त किया। यह बयान ब्रिटेन की पुरानी नीति से महत्वपूर्ण बदलाव है।इससे पहले ब्रिटिश सरकारें ऐतिहासिक अत्याचारों पर अफसोस तो जताती रही थीं, लेकिन औपचारिक माफी और क्षतिपूर्ति की मांगों पर आगे बढ़ने से बचती रही थीं। अब 56 सदस्यीय राष्ट्रमंडल के नेताओं के सम्मेलन से पहले ब्रिटेन ने बातचीत का रास्ता खोला है। हालांकि, यह अभी औपचारिक माफी नहीं है, बल्कि माफी की मांगों पर विचार और संवाद के लिए सहमति है। साथियों बात अगर हम गुलामी का कानूनः 1833 का अधिनियम और उसके पीछे का विरोधाभास को समझने की करें तो ब्रिटेन की संसद ने 28 अगस्त 1833 को स्लैवेरी अबोलीशन एक्ट 1833 पारित किया।यह कानून 1 अगस्त 1834 से प्रभावी हुआ और ब्रिटिश साम्राज्य के अधिकांश उपनिवेशों में गुलामी की कानूनी व्यवस्था समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। लेकिन कानून के अंतर्गत स्वतंत्रता तत्काल और पूर्ण नहीं थी। पूर्व गुलामों को एक संक्रमण कालीन व्यवस्था में रखा गया, जिसे 'अप्रेंटिसशिप' कहा गया। इसके तहत उन्हें अपने पूर्व मालिकों के लिए बिना उचित पारिश्रमिक के काम करना पड़ता था। यह व्यवस्था 1838 में समाप्त हुई।इस कानून का सबसे बड़ा विरोधाभास यह था कि गुलामी से पीड़ित लोगों को मुआवजा देने के बजाय गुलामों के मालिकों को 2 करोड़ पाउंड की राशि दी गई। यह उस समय ब्रिटिश सरकार के लिए अत्यंत विशाल वित्तीय प्रतिबद्धता थी।आज के मूल्य में इसकी राशि अरबों पाउंड के बराबर बैठती है।गुलामी से लाभ कमाने वालों को आर्थिक राहत और पीड़ितों को केवल सीमित स्वतंत्रता मिलने का यह ऐतिहासिक अन्याय आज की क्षतिपूर्ति बहस की प्रमुख वजह है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 1833 का कानून भारत पर सीधे लागू नहीं हुआ था। ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन भारतीय क्षेत्रों को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। भारत में 7 अप्रैल 1843 को इंडियन स्लैवेरी एक्ट 1843 पारित हुआ। इसने अदालतों को किसी व्यक्ति को गुलाम मानकर बेचने या उसके श्रम पर मालिकाना अधिकार लागू करने से रोका। हालांकि, इस कानून का प्रभाव मुख्यतः कानूनी मान्यता और न्यायिक प्रवर्तन पर था; सामाजिक और आर्थिक शोषण की सभी परिस्थितियां इससे समाप्त नहीं हुईं। साथियों बात अगर हम मुआवजे की मांगः केवल पैसा नहीं, ऐतिहासिक न्याय को समझने की करें तो कैरेबियाई देशों की मांग केवल एकमुश्त धनराशि प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। कैरेबियन समुदाय की क्षतिपूर्ति योजना में औपचारिक माफी, सांस्कृतिक धरोहरों की वापसी,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश,स्वदेशी समुदायों का विकास, मानसिक स्वास्थ्य सहायता तकनीकी हस्तांतरण और कर्ज माफी जैसे उपाय शामिल हैं।इसके पीछे तर्क है कि गुलामी और औपनिवेशिक शोषण ने केवल पिछली पीढ़ियों को नुकसान नहीं पहुंचाया, बल्कि उसके प्रभाव आज भी गरीबी,असमानता और विकास की बाधाओं के रूप में दिखाई देते हैं। ब्रिटेन का तर्क है कि वर्तमान पीढ़ी को उन ऐतिहासिक अपराधों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता जिनमें उसका प्रत्यक्ष योगदान नहीं था। प्रधानमंत्री बर्नहम ने वित्तीय क्षतिपूर्ति को अस्वीकार करते हुए गरीब राष्ट्रमंडल देशों के ऋण पुनर्गठन, लंबी भुगतान अवधि और बेहतर ब्याज दरों की दिशा में पहल का प्रस्ताव रखा है। पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन को इस पहल में भूमिका निभाने के लिए कहा गया है। लेकिन कैरेबियाई नेताओं का कहना है कि कर्ज राहत और विकास सहायता, ऐतिहासिक क्षतिपूर्ति का पूर्ण विकल्प सटीकता से नहीं हो सकते।

साथियों बात अगर हम किंग चार्ल्स तृतीयःदुख की स्वीकारोक्ति लेकिन औपचारिक माफी नहीं इसको समझने की करें तो,ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने कैरेबियाई दौरे के दौरान बहामास में अतीत की गंभीर पीड़ा और अन्याय को स्वीकार किया।उन्होंने ऐतिहासिक अन्याय को पहचानने और भविष्य की ओर देखने की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने स्पष्ट किया कि राजा की ओर से औपचारिक माफी की घोषणा नहीं की जा रही है। संवैधानिक व्यवस्था में सरकार की नीतिगत जिम्मेदारी प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की होती है;राजा राष्ट्रमंडल के प्रमुख के रूप में बोलते हैं, न कि सरकार की ओर से नीतिगत निर्णय घोषित करते हैं।

लुप्त हुए मिट्टी के कद्रदान

उदय कशोर साह



कविता

कहाँ गई मिट्टी के वो बर्तन
कहाँ गई खपरैल की मकान
कहाँ गई पेय जल की सुराही
कहाँ गई मिट्टी के वो दीवान

कहाँ गई मिट्टी की सोंधी खुशबू
कहाँ गये मिट्टी के वो कद्रदान
कहाँ गई हॉड़ी की। वो चावल
कहाँ गई मिट्टी के कोठे मकान

कहाँ गई मिट्टी की दूध की कड़ाही
कहाँ गये मिट्टी चुल्हे में पके पकवान
कहाँ गई कबूतर की मिट्टी की भाँड़ी
कहाँ गये मिट्टी के पूजन की धुपदान

कहाँ गई मिट्टी की मोटी दीवारें
कहाँ गई मिट्टी के वर्तन निर्माण
कहाँ गई मिट्टी की गुल्लक हमारी
कहाँ गये मिट्टी के खेल मैदान

कहाँ गई मिट्टी की गाँव की पगडंडी
कहाँ गये मिट्टी के ग्लास की जहान
कहाँ गई मिट्टी के बने चबूतरे
कहाँ गई मिट्टी से लीपे खलिहान

तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन बनाम आर्थिक नुकसान, कैसे होगी भरपाई'



संजीव ठाकुर
लेखक



लोकतंत्र का अर्थ केवल अपनी बात मनवाना नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना भी है। सत्ता की कुर्सी स्थायी नहीं होती, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था और जनता की मेहनत से निर्मित संपत्ति पूरे राष्ट्र की धरोहर है। इसलिए अब समय आ गया है कि हर राजनीतिक प्रदर्शन के साथ आर्थिक जवाबदेही भी तय हो। क्योंकि देशहित से बड़ा न कोई दल है, न कोई नेता और न ही कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा।

लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा शासन है। इस व्यवस्था में अपनी बात मनवाने, असहमति जताने और सरकार की नीतियों का विरोध करने का अधिकार हर नागरिक और राजनीतिक दल को संविधान ने दिया है। अनुच्छेद-19 के तहत मिला शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार हमारे लोकतंत्र की प्राण वायु है। किंतु, जब यही लोकतांत्रिक प्रदर्शन अनियंत्रित होकर चक्काजाम, तोड़फोड़, आगजनी और अनिश्चितकालीन अवरोधों में बदल जाते हैं, तब वे जनहित के बजाय 'राष्ट्रीय क्षति' का पर्याय बन जाते हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि इसमें प्रत्येक नागरिक, राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन और विचारधारा को अपनी बात रखने, असहमति व्यक्त करने तथा सत्ता के सामने सवाल उठाने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।

सत्ता पक्ष हो अथवा विपक्ष, दोनों को अपनी राजनीतिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता है। धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस और शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वाभाविक अंग हैं। लेकिन जब यही लोकतांत्रिक अधिकार शक्ति प्रदर्शन, रास्ता रोकने, बाजार बंद कराने, सरकारी कामकाज बाधित करने और सार्वजनिक जीवन को अस्त-व्यस्त करने का माध्यम बन जाता है, तब एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है कि आखिर इस कथित लोकतांत्रिक गतिविधि की आर्थिक कीमत कौन चुकाएगा?

आज सवाल यह नहीं है कि विरोध करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि इस तथाकथित लोकतांत्रिक प्रदर्शन के नाम पर देश को जो भारी-भरकम आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, उसकी भरपाई कौन और कैसे करेगा? जब राजधानी या देश के किसी भी बड़े हिस्से में राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए सड़कों को महीनों या हफ्तों के लिए बंधक बना लिया जाता है, तब केवल प्रशासनिक व्यवस्था ही ध्वस्त नहीं होती, बल्कि देश की धड़कन यानी अर्थव्यवस्था भी लड़खड़ा जाती है .व्यापार और खुदरा बाजार का संकटः त्यौहारों या पीक सीजन के दौरान होने वाले प्रदर्शन बाजारों की कमर तोड़ देते हैं।

सरोजनी नगर, कनॉट प्लेस या देश के अन्य बड़े व्यावसायिक केंद्रों के दुकानदारों का करोड़ों का व्यापार ठप हो जाता है। खरीदार घरों में कैद रहने को मजबूर होते हैं, और छोटे व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी वालों तथा दैनिक वेतन भोगियों के सामने रोजी-रोटी का संकट पैदा हो जाता है' सड़कों के जाम होने से लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन की रफ्तार थम जाती है।

समय पर माल न पहुंच पाने से उद्योगों का उत्पादन प्रभावित होता है और वैश्विक स्तर पर देश की साख को तगड़ा झटका लगता है' प्रदूषण कार्यों को यह अंदाजा नहीं होता कि उनके कारण करोड़ों मानव-घंटों की बबार्दी होती है. एंबुलेंस में जूझते मरीज, समय पर दफ्तर या परीक्षा केंद्र न पहुंच पाने वाले युवा और ईंधन की बबार्दी यह वह अदृश्य नुकसान है जिसे कोई जीडीपी के आंकड़ों में सीधे तौर पर दर्ज नहीं करता, लेकिन देश का हर आम नागरिक इसे रोज भोगता है।दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज विरोध प्रदर्शन जनहित से ज्यादा राजनीतिक अस्तित्व और सत्ता के समीकरणों को साधने का जरिया बन चुके हैं। सत्ता में बैठी पार्टी हो या विपक्ष, दोनों के लिए आंदोलन एक ऐसा हथियार बन गया है जहाँ देश के आर्थिक नुकसान की कीमत पर अपनी राजनीतिक जमीन तलाशनी आसान लगती है। जब विपक्ष सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन कर सरकार को घेरने की कोशिश करता है, तो आम जनजीवन दांव पर लग जाता है। इसके विपरीत, सत्ता पक्ष अक्सर इन अवरोधों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखता है, और समस्या के मूल समाधान के बजाय इसे एक-दूसरे पर छींटाकशी का माध्यम बना लेता है। इस संदर्भ में, हाल ही में मुख्यधारा के राजनेताओं के विरोधाभासी वक्तव्य भी सामने आए हैं। सत्ता पक्ष जहाँ इन प्रदर्शनों को अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी और प्रायोजित अराजकता करार देता है, वहीं विपक्ष के प्रमुख नेता जैसे लोकसभा में विपक्ष के अनेक राजनेता भी रैलियों और प्रदर्शनों के बीच जनता को यह सलाह देते नजर आते हैं कि प्रदर्शन भी करो और साथ में छोटे दुकानदारों से खरीदारी भी करो ताकि व्यापारियों का नुकसान न हो।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

त्योहारों पर मिलावटखोरों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 10 नामचीन प्रतिष्ठानों पर की छापेमारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। दीपावली सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर बाजारों में मिठाइयों की बढ़ती मांग और उनमें मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में विभाग की राज्य सचल दल टीम ने हापुड़ जनपद के हापुड़, पिलखुवा और गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान शहर और आसपास के क्षेत्रों के 10 नामचीन मिठाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। टीम ने अलग-अलग प्रकार की मिठाइयों एवं खाद्य पदार्थों के कुल 20 नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। वहीं, निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई में कमी और अन्य अनियमितताएं मिलने पर सभी 10 प्रतिष्ठानों को सुधार सूचना के नोटिस जारी किए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य त्योहारों के दौरान आम नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना और बाजार में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाना है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब के आदेश पर मेरठ मंडल के सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देशन में राज्य सचल दल की टीम ने जनपद में यह विशेष अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान 15 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम विभिन्न प्रतिष्ठानों पर पहुंची। अधिकारियों ने मिठाइयों की गुणवत्ता, निर्माण एवं भंडारण की स्थिति, साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़े मानकों का निरीक्षण किया। जहां खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच आवश्यक समझी गई, वहां से नमूने लेकर उन्हें सीलबंद किया गया और परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया। अभियान के दौरान जसरूपनगर स्थित मेरठ स्वीट्स से रंगीन छेना मिठाई और बेसन के नमूने लिए गए। दिल्ली रोड स्थित बीकानेरवाला से ड्राई फ्रूट लड्डू और राजभोग के नमूने एकत्र किए गए। आर्य नगर के बाहर स्थित बंसल बीकानेर स्वीट्स से देसी घी और कादम्बरी छेना के नमूने लिए गए। वहीं, कोठी गेट स्थित हाथरस स्वीट्स वर्कशॉप से छेना, छेना रसगुल्ला और खोया के नमूने जांच के लिए भेजे गए। इसी तरह पुराना बाजार स्थित न्यू त्रिलोक स्वीट्स का भी निरीक्षण किया गया। यहां से छेना, छेना रसगुल्ला और खोया के नमूने एकत्र किए गए। निजामपुर स्थित गोकुल स्वीट्स एंड स्नैक्स से बर्फी और खोया के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संबंधित प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के रखरखाव और स्वच्छता की स्थिति का भी जायजा लिया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पिलखुवा और गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में भी अभियान चलाकर मिठाई की दुकानों का निरीक्षण किया। पिलखुवा के मठमलियान स्थित गोपी मिष्ठान से छेना का नमूना लिया गया, जबकि मोहल्ला जाटान की मढैया स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स एंड बेकर्स से खोया और सोनपापड़ी के नमूने एकत्र किए गए।

पिलखुवा पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश, पांच गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना पिलखुवा पुलिस ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से करीब 2.76 कुंतल चोरी का विद्युत तार, चोरी करने के उपकरण, तीन अवैध असलहा, दो अवैध चाकू तथा घटना में प्रयुक्त कार और मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों ने 22/23 अक्टूबर 2026 की रात थाना पिलखुवा क्षेत्र के ग्राम बड़ौदा हिंदुवान के जंगल में विद्युत तार चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त नीटू उर्फ नवीन उर्फ नेताजी हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। वह शातिर किस्म का विद्युत तार चोर और अपराधी है। उसके विरुद्ध जनपद मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद और हापुड़ में डकैती, विद्युत तार चोरी, आर्म्स एक्ट तथा गैंगस्टर एक्ट सहित करीब तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

बाघराय में सड़क हादसे में 11 वर्षीय बालक की मौत, मां को बिना बताए शव ले जाने का आरोप

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के आई का पुरवा चौराहे पर हुए सड़क हादसे में 11 वर्षीय बालक शनि पुत्र राजू सरोज की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद गंभीर हालत में बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बाघराय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर सुनते ही अस्पताल में मौजूद उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

घटना की सूचना पर पहुंची बाघराय पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। लेकिन इसी दौरान पुलिस की कार्यशैली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए। आरोप है कि सीएचसी में मौजूद और अपने बेटे की मौत से बदहवास मां को बिना कोई जानकारी दिए पुलिस ने अस्पताल के पिछले दरवाजे से शव को बाहर निकलवा दिया। परिजनों का आरोप है कि ब्लैक शीशे वाली बिना नंबर प्लेट की एक गाड़ी में बालक के शव को डिग्गी में रखकर मोर्चरी हाउस भेज दिया गया। उस समय अस्पताल में बालक की मां अकेली मौजूद थी और परिवार का कोई अन्य सदस्य मौके पर नहीं पहुंचा था। सवाल यह है कि आखिर ऐसी कौन सी जल्दबाजी थी कि एक मां को उसके मृत बेटे का शव ले जाने की जानकारी तक देना जरूरी नहीं समझा गया? क्या पुलिस के लिए कानूनी प्रक्रिया पूरी करना ही पर्याप्त है या शोकाकुल परिजनों के प्रति मानवीय संवेदनाओं का भी कोई महत्व है? मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, शव को कथित तौर पर इस तरह ले जाने के मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री राम संतोष गार्डन गोहावर में दीपोत्सव मिलन समारोह किया गया आयोजित



वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोहावर स्थित श्रीराम संतोष गार्डन में दीपोत्सव मिलन समारोह का आयोजन किया गया। दीपोत्सव मिलन समारोह नूरपुर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के संभावित प्रत्याशी इंजीनियर कवीश राणा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय वैष्णव अखाड़ा परिषद (हरिद्वार) से आए बाबा हठयोगी महाराज रहे। विशिष्ट अतिथि कथा व्यास रवि शंकर श्रृंगी महाराज रहे। कार्यक्रम आयोजक नूरपुर विधानसभा से भाजपा के संभावित प्रत्याशी इंजीनियर कमीशन राणा ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथिय का माल्यार्पण कर तथा तलवार भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम से पहले हवन यज्ञ किया गया। इस अवसर पर अनिल पांडे, डॉ प्रमोद चौहान, जितेंद्र चौधरी, अवनीश राणा, धर्म अवतार वर्मा, अनिल जुनेजा, लोकेंद्र सिंह, गोहावर मंडल अध्यक्ष विनय चौहान, मोरना मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सैनी, भाजपा कार्यकताओं सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाकियू एकता शक्ति के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त थाना प्रभारी से की शिष्टाचार भेंट



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा एवं नोएडा महानगर अध्यक्ष सतीश शर्मा ने नवनियुक्त फेस-3 थाना प्रभारी मनोज मोतला से शिष्टाचार भेंट की इस अवसर पर प्रधान हेल्पिंग फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रिंकू पाल प्रधान भी उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने श्री मनोज मोतला को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शिष्टाचार भेंट के दौरान क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने, आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि मनोज मोतला के नेतृत्व में क्षेत्र में कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा पुलिस एवं आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

हापुड़ के सरकारी अस्पताल में नवजात बच्ची बदलने का आरोप, जांच की मांग



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। गढ़ रोड स्थित सरकारी अस्पताल में प्रसव के दौरान नवजात बच्ची बदलने का गंभीर आरोप सामने आया है। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र की निवासी उषा पत्नी रिंकू जाटव ने अस्पताल में प्रसव के दौरान बच्चा बदलने की आशंका जताते हुए थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र दिया है।महिला का आरोप है कि प्रसव के बाद पहले उसे बेटे के जन्म की जानकारी दी गई, लेकिन कुछ समय बाद आशा कार्यकर्ता ने बेटी होने की बात कही। इसके बाद से ही महिला को नवजात बच्ची बदल दिए जाने का संदेह है। पीड़िता ने नवजात का डीएनए टेस्ट कराने, अस्पताल के प्रसव संबंधी रिकॉर्ड की जांच कराने तथा संबंधित आशा कार्यकर्ता की भूमिका की पड़ताल कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अस्पताल प्रशासन, संबंधित आशा कार्यकर्ता और पुलिस का पक्ष सामने आना बाकी है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चेकिंग अभियान के दौरान खुला चोरी की कार का राज, दिल्ली से चोरी कार हापुड़ में दौड़ा रहा शातिर चोर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में दिल्ली से चोरी की गई कार लेकर हापुड़ में घूम रहे एक शातिर चोर को बाबूगढ़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की होंडा अमेज कार और एक अवैध चाकू बरामद किया है। कार के चोरी होने की पुष्टि के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक कुचेसर चौपला चौकी इंचार्ज गौरव वशिष्ठ टीम के साथ बनखंडा अंडरपास की सर्विस रोड पर संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने एक होंडा अमेज कार को रोककर चालक से पूछताछ की। वाहन की जांच करने पर उसके चोरी का होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने तत्काल चालक को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए आरोपी की पहचान रामसुचित पुत्र गुरुप्रसाद निवासी ग्राम इब्राहिमाबाद, थाना रामसनेहीघाट, जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। आरोपी की उम्र करीब 45 वर्ष बताई गई है। उसके कब्जे से कार और एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार कार के संबंध में दिल्ली के मंडावली थाने में मुकदमा दर्ज है। बाबूगढ़ थाना के थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि संदिग्ध वाहनों और अपराधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। चेकिंग के दौरान चोरी की कार बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक, प्राचार्या ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद के नगर में आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत सड़क जागरूकता अभियान चलाया गया। सड़क जागरूकता क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रैली के माध्यम से छात्राओं ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनने का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरूआत में मिशन शक्ति फेज-6 की अध्यक्ष प्रोफेसर मनीला रोहतगी ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और छात्राओं को प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त बनने के साथ ही अपनी सुरक्षा के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए। सड़क पर सुरक्षित आवागमन के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। छोटी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी और दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना तोमर ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को रवाना किया। सड़क जागरूकता क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. सर्वेश तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की अधिकारी डॉ. नीशू यादव के नेतृत्व में छात्राओं ने स्वर्ग आश्रम रोड पर रैली निकाली। इस दौरान छात्राओं ने आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल वाहन चालकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पैदल चलने वाले लोगों को भी नियमों का ध्यान रखना चाहिए। सुरक्षित यात्रा के लिए यातायात नियमों का पालन करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना आवश्यक है। महाविद्यालय की इस पहल का उद्देश्य छात्राओं के साथ आमजन में भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

भाजपा नेता निलय सिंह की पहल लाई रंग, बहादुरपुर श्मशान घाट की भूमि की हुई पैमाइश

राजस्व टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में किया सीमांकन, अतिक्रमणकारियों को कब्जा हटाने के निर्देश; बाउंड्रीवाल निर्माण की जगी उम्मीद

वेलकम इंडिया/धन दयाल पाण्डेय





कुशीनगर। तमकुहीराज तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा बहादुरपुर स्थित दुलुमदासी पोखरा के समीप बने श्मशान घाट की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में ग्रामीणों को बड़ी सफलता मिली है। ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग और भाजपा नेता निलय सिंह की पहल के बाद सोमवार को राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और श्मशान घाट की भूमि की विधिवत पैमाइश की। इस दौरान कुछ लोगों द्वारा भूमि पर अतिक्रमण किए जाने का मामला सामने आया, जिस पर राजस्व टीम ने संबंधित लोगों को कब्जा हटाने के निर्देश दिए। पैमाइश की कार्रवाई पूरी होने के बाद अब श्मशान घाट की भूमि को सुरक्षित करने और वहां बाउंड्रीवाल निर्माण कराए जाने की उम्मीद बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम सभा बहादुरपुर में दुलुमदासी पोखरा के बगल में स्थित श्मशान घाट की भूमि का राजस्व अभिलेखों में कुल रकबा लगभग 23.5 कट्ठा दर्ज है। हालांकि, मौके पर भूमि का क्षेत्रफल अभिलेखों के अनुरूप दिखाई नहीं देने के कारण ग्रामीणों के बीच लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। ग्रामीणों का कहना था कि श्मशान घाट की पूरी भूमि का सीमांकन कराकर उसे अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए, जिससे भविष्य में अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए भाजपा नेता निलय सिंह ने प्रशासन के समक्ष मामला उठाया। उन्होंने उपजिलाधिकारी तमकुहीराज से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और श्मशान घाट की भूमि की विधिवत पैमाइश, सीमांकन तथा उसकी सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल निर्माण कराने की मांग की थी। भाजपा नेता की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र पर संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी तमकुहीराज ने 16 अक्टूबर 2026 को नायब तहसीलदार तरया शिवशंकर मिश्र की अध्यक्षता में राजस्व टीम गठित की थी। एसडीएम ने टीम को मौके पर पहुंचकर नियमानुसार भूमि की पैमाइश करने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सोमवार को राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ बहादुरपुर गांव पहुंची और श्मशान घाट की भूमि की नापजोख शुरू की। राजस्व टीम ने अभिलेखों के आधार पर मौके पर भूमि की पैमाइश की। इस दौरान कुछ स्थानों पर अतिक्रमण का मामला सामने आया। टीम ने संबंधित लोगों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई गई। पैमाइश के बाद ग्रामीणों को उम्मीद है कि श्मशान घाट की भूमि का संरक्षण सुनिश्चित होगा और सार्वजनिक उपयोग की इस महत्वपूर्ण जमीन पर बाउंड्रीवाल निर्माण का रास्ता साफ होगा। भाजपा नेता निलय सिंह ने कहा कि श्मशान घाट गांव की सार्वजनिक और अत्यंत महत्वपूर्ण संपत्ति है। इसका संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने प्रशासन के समक्ष इस समस्या को उठाया था, ताकि भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि पैमाइश होने से भूमि की स्थिति स्पष्ट करने में मदद मिलेगी तथा बाउंड्रीवाल निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने इस कार्रवाई के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और राजस्व विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया। पैमाइश की कार्रवाई के दौरान राजस्व टीम में नायब तहसीलदार शिव मिश्रा, कानूनगो हरेंद्र प्रसाद, लेखपाल रविकांत कुशवाहा, लेखपाल रंजीत कुमार और लेखपाल सतीश सिंह शामिल रहे। वहीं मौके पर आचार्य प्रद्युम्न पांडे, मनोज सिंह, ग्राम प्रधान संतोष साह, संतराज कुशवाहा, प्रिंस प्रजापति, रितेश ठाकुर, मुकुल शर्मा, विजय शर्मा, प्रयाग चौरसिया, पिंकू साह, सुनील कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने श्मशान घाट की भूमि की पैमाइश कराए जाने पर संतोष जताते हुए प्रशासन से जल्द बाउंड्रीवाल निर्माण कराने की मांग की।

मुख्यमंत्री ने किया 'देवभूमि परिवार पोर्टल' और 'विकसित उत्तराखण्ड विजन-2047' का लोकार्पण

'एक परिवार, एक पहचान, एक प्लेटफॉर्म' की अवधारणा होगी साकार, वर्ष 2047 तक उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था को 28 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल





देहरादून। उत्तराखण्ड में सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने, सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने तथा प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो महत्वपूर्ण पहल की हैं। मुख्यमंत्री ने मुख्य सेवक सदन में देवभूमि परिवार पोर्टल एवं विकसित उत्तराखण्ड विजन-2047 का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने देवभूमि परिवार पहचान पत्र बनाने की प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। इन दोनों पहलों को प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे को आधुनिक बनाने और विकास की दीर्घकालिक रूपरेखा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक परिवार, एक पहचान, एक प्लेटफॉर्म की अवधारणा के तहत देवभूमि परिवार पोर्टल तैयार किया गया है। इसके माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान प्रदान की जाएगी। पोर्टल पर परिवार और उसके सदस्यों से संबंधित आवश्यक जानकारी एकीकृत डिजिटल व्यवस्था में उपलब्ध रहेगी। इससे विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों की पहचान करना आसान होगा और उन्हें योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं सरल तरीके से मिल सकेगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार की सफलता का वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होता है कि उसकी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितना पहुंच रहा है। केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। वर्तमान में कई बार नागरिकों को एक ही जानकारी के लिए अलग-अलग विभागों में बार-बार दस्तावेज जमा कराने पड़ते हैं। देवभूमि परिवार पोर्टल इस प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ ही नागरिकों की परेशानियां कम करेगा और सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मददगार साबित होगा। मुख्यमंत्री ने विकसित उत्तराखण्ड विजन-2047 को प्रदेश के भविष्य की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताते हुए कहा कि यह केवल लक्ष्यों का संकलन नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड को विकसित राज्य बनाने की व्यापक कार्ययोजना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने बाबा केदार की पावन भूमि से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। इसी प्रेरणा के साथ राज्य सरकार प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस विजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों और जनपदों को अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाएं तैयार करनी होंगी। निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के साथ उनकी नियमित समीक्षा भी आवश्यक है। विकास की इस यात्रा में प्रशासन के साथ आम नागरिकों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से उत्तराखण्ड में सड़क, रेल, हवाई संपर्क और आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना तथा चारधाम सड़क परियोजना प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई मजबूती प्रदान कर रही हैं। श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्यों के साथ मानसखंड मंदिर माला मिशन के माध्यम से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा शीतकालीन यात्रा की शुरूआत से प्रदेश में वर्षभर पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश, स्वरोजगार और नवाचार आधारित उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। हाउस ऑफ हिमालयाज के माध्यम से उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है।

अहोई अष्टमी पर राधाकुंड में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया महास्नान

मध्यरात्रि 12 बजे शुरू हुआ महास्नान, संतान सुख की कामना लेकर देशभर से पहुंचे दंपति; सुबह तक घाटों पर गूंजते रहे राधे-राधे के जयकारे

मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया



मथुरा/राधाकुण्ड। अहोई अष्टमी पर राधाकुंड में आयोजित पारंपरिक महास्नान में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। संतान सुख की कामना और राधारानी के प्रति अटूट श्रद्धा लेकर देशभर से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने मध्यरात्रि में पवित्र राधाकुंड में डुबकी लगाई। रात 12 बजे महास्नान शुरू होते ही घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं का सैलाब कुंड की ओर उमड़ पड़ा। चारों ओर राधे-राधे के जयकारों से पूरा तीर्थ क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। श्रद्धा और परंपरा का यह सिलसिला सुबह तक चलता रहा।

राधाकुंड के अहोई अष्टमी महास्नान को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष मान्यता है। मान्यता है कि इस दिन राधाकुंड में स्नान करने से निःसंतान दंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसी विश्वास के साथ नवविवाहित जोड़ों से लेकर वर्षों से संतान की प्रतीक्षा कर रहे दंपतियों ने स्नान कर राधारानी से मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना की। वहीं संतान प्राप्ति के बाद अनेक दंपति आभार व्यक्त करने भी पहुंचे। महास्नान के लिए कई दिन पहले से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। रविवार को दिनभर मंदिरों, घाटों और परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की भीड़ रही। रात होते-होते घाटों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, दीपदान और परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने परंपरागत डिब्बा प्रथा अपनाई। इसके तहत कुंड में भीड़ का दबाव कम होने पर श्रद्धालुओं को क्रमबद्ध तरीके से स्नान कराया गया। व्यवस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सुरक्षित रूप से महास्नान किया। मेले में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। पुलिसकर्मियों, पीएसी और गोताखोरों की तैनाती के साथ सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन से निगरानी की गई। अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आवागमन को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया।

आस्था और विश्वास का अनूठा संगम

महास्नान संपन्न होने के बाद भी राधाकुंड में श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी रहा। घाटों पर कहीं मनोकामना पूरी होने की खुशी दिखाई दी तो कहीं संतान सुख की प्रतीक्षा में पहुंचे दंपतियों की आंखों में उम्मीद और विश्वास नजर आया। अहोई अष्टमी का यह महास्नान एक बार फिर ब्रज की प्राचीन धार्मिक परंपरा और राधाकुंड के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का साक्षी बना।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मथुरा में धूमधाम से मनाया गया



मनोज शर्मा/वेलकम इंडिया

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति की मथुरा इकाई ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का जन्मदिन एवं संगठन विस्तार-स्वागत समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों ने मिलकर केक काटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को शुभकामनाएं दीं तथा संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष (कार्यवाहक) मदन सिंह राघव, मंडल महामंत्री आगरा कुमरपाल फौजी, जिला प्रभारी दिवाकर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राजू चौधरी, मंडल सचिव मुकेश चौधरी, जिला प्रचार मंत्री विवेक नौहवार, सत्यवीर प्रधान, प्रेम सिंह सरपंच, सत्यवीर प्रधान (विसावली), तहसील अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, जिला सचिव बच्चू डॉक्टर साहब, जिला उपाध्यक्ष सतीश चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के नेतृत्व में किसान हितों की रक्षा एवं संगठन के विस्तार के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जय जवान जय किसान के नारे के साथ संगठन के प्रति अटूट विश्वास व्यक्त किया गया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन 578 प्रगणक व पर्यवेक्षक ने ली ट्रेनिंग

उपजिला अधिकारी हृदय राम तिवारी ने प्रशिक्षण का लिया जायजा



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रभा देवी डिग्री कालेज खलीलाबाद में जनगणना प्रशिक्षण के दूसरे फेरे के दूसरे दिन उप जिला अधिकारी हृदय राम तिवारी ने प्रशिक्षण स्थल पहुंचकर प्रगणकों और सुपरवाइजर की उपस्थिति का जायजा लिया। ये निर्देश दिया कि जनगणना कार्य अति महत्वपूर्ण है।फील्ड वर्क है।बड़ी जिम्मेदारी है।प्रशिक्षण के दौरान बिंदुओं पर चर्चा करें।प्रश्न करें।ताकि क्षेत्र में कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा यह भारत की पहली ऐसी जनगणना होगी,जिसमें जनगणना आंकड़ों,का संग्रहण डिजिटल उपकरणों से किया जाएगा। सुनील कुमार और राकेश कुमार मिश्र प्रशिक्षक ने कुल 40 प्रश्नों में से माता पिता विवरण के साथ दिव्यांगता, मातृभाषा व अन्य भाषाएं, साक्षरता, शैक्षिक संस्थान में शिक्षा,उच्चतम शिक्षा, आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय, उद्योग व्यापार, कर्मी का वर्ग, गैर आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश, कार्यस्थल तक यात्रा आदि बिंदुओं पर गहन चर्चा की गई। कानूनगो संजय मिश्रा ने बताया कि दूसरे फेरे में 578 प्रगणक, पर्यवेक्षक प्रशिक्षण ले रहें है। इस कार्य हेतु 24 प्रशिक्षक नियुक्त हैं प्रशिक्षण सुचारू रूप से चल रहा है। प्रशिक्षण में जफीर अली, मुबारक हुसैन, अब्दुर्रहमान, राम केश, विकास कुमार आनंद, राकेश यादव, राम कुमार, हरिकेश, महिपाल, असरारुल हक, जुबेर अहमद, अरुण कुमार, धर्मराज आदि प्रशिक्षण में मौजूद रहे।

ब्रजवासियों के निष्काम प्रेम और सेवा भाव से अभिभूत हुए राधारानी ब्रजयात्रा के यात्री

धानौता में बुलडोजर से हुई पुष्पवर्षा, बैंडबाजों के साथ अगवानी कर ग्रामीणों ने अपने भट्ठे पर कराया यात्रियों का प्रवास

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/कोसीकला। ब्रजभूमि का कण-कण प्रेम और भक्ति से सराबोर है। यहां की रज में भी भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराधारानी की लीलाओं की अनुभूति होती है। ब्रज का यही प्रेम और आत्मीयता है, जो यहां आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अपना बना लेती है। राधारानी ब्रजयात्रा के धानोता पड़ाव पर ब्रजवासियों के इसी निष्काम प्रेम, सेवा और समर्पण के भाव ने यात्रियों को भावविभोर कर दिया।

यात्रा के दौरान मान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष राधाकांत शास्त्री ने यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रजभूमि का प्रत्येक रज कण साक्षात परब्रह्म के स्वरूप का अनुभव कराता है, क्योंकि परमात्मा स्वयं प्रेम स्वरूप हैं और उस दिव्य प्रेम की पराकाष्ठा ब्रजभूमि में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यात्रियों का ग्रामीणों से कोई पारिवारिक संबंध नहीं होता, फिर भी ब्रजवासी जिस आत्मीयता और निष्काम भाव से उनकी सेवा करते हैं, वैसी सेवा तो कई बार सगे-संबंधी भी नहीं कर पाते। यही ब्रज की वास्तविक पहचान और यहां की संस्कृति का वैभव है। यात्रा के भिडूखी पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ यात्रियों का स्वागत किया। यात्रियों ने गांव स्थित सिद्ध बाबा मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ने भी यात्रा का स्वागत किया। इसके बाद यात्रा बांसे पहुंची, जहां प्रभातफेरी मंडल के सदस्यों ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और बालभोग के साथ यात्रियों का सत्कार किया।

बांसे में बाबा नृसिंह दास ने शेषशायी भगवान की प्राकट्य लीला का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि गांव के सरोवर से ही शेषशायी भगवान का प्राकट्य हुआ था। इसके बाद उन्हें शेषशायी मंदिर में विराजमान कराया गया। मंदिर में दर्शन के दौरान भक्त बालक दीपक ने यात्रियों के लिए हलवे का प्रसाद वितरित कर सेवा की। पौड़ानाथ शेषशायी भगवान के दर्शन करने के बाद यात्रा बरका पहुंची, जहां ग्रामीणों ने बालभोग कराकर यात्रियों का स्वागत किया। इस अवसर पर आचार्य महेश शर्मा ने प्रभातफेरी मंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए हरिनाम संकीर्तन की महिमा बताई। यात्रा का धानोता पहुंचने पर ऐसा आत्मीय स्वागत हुआ, जिसने ब्रज के अतिथि सत्कार की अनूठी छटा बिखेर दी। गांव के विष्णु स्वरूप और देवेंद्र चौधरी ने बुलडोजर के माध्यम से पुष्पवर्षा कराई। बैंडबाजों की मधुर धुनों के बीच यात्रियों की अगवानी की गई। ग्रामीणों ने अपने भट्ठे पर यात्रियों के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की और सभी को स्वादिष्ट भोजन कराया। ब्रज की परंपरा के अनुरूप किए गए इस आत्मीय सत्कार से यात्री अभिभूत नजर आए। यात्रा के ब्रजदास एवं महंत ब्रजशरण दास ने ग्रामीणों की सेवा भावना और व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि ब्रजवासियों का यही प्रेम और समर्पण ब्रजयात्रा की सबसे बड़ी पूंजी है। यहां श्रद्धालुओं को केवल दर्शन ही नहीं, बल्कि ब्रज की उस प्रेममयी संस्कृति का साक्षात्कार भी होता है, जिसमें अतिथि को अपना मानकर उसकी सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।

पराली जलाने पर प्रशासन सख्त, किसानों से वसूली के साथ कंबाइन मशीन भी होगी सीज

एडीएम की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक, अधिकारियों को निगरानी बढ़ाने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। जनपद में पराली अवशेष प्रबंधन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। खेतों में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और किसानों को फसल अवशेष के उचित प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में उप कृषि निदेशक डॉ. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि धान की कटाई के बाद गेहूं की बुवाई के लिए कम समय मिलने के कारण कई किसान कंबाइन मशीन से धान की कटाई कराने के बाद खेत को जल्दी खाली करने के लिए पराली जला देते हैं। इससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ने के साथ मिट्टी की उर्वरता और कृषि भूमि को भी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण की ओर से फसल अवशेष जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति की वसूली और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई के निर्देश हैं। गत वर्ष जनपद में पराली जलाने के मामलों में कुल 34 किसानों से 75 हजार रुपये की पर्यावरण क्षतिपूर्ति वसूल की गई थी। पराली जलाने की घटनाओं की जानकारी भारत सरकार को उपग्रह के माध्यम से प्राप्त होती है।

अपर जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में तैनात कर्मचारियों के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखी जाए। किसी भी किसान के खेत में पराली जलाने की घटना सामने आने पर संबंधित किसान से नियमानुसार पर्यावरण क्षतिपूर्ति की वसूली की जाए। साथ ही जिस कंबाइन संचालक की मशीन से संबंधित खेत में धान की कटाई की गई है, उससे भी नियमानुसार क्षतिपूर्ति वसूल की जाए। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित कंबाइन मशीन को सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में कोई भी कंबाइन मशीन स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, रीपर बाइंडर अथवा बेलर जैसी आवश्यक व्यवस्था के बिना संचालित नहीं होनी चाहिए। कृषि विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर किसानों को जागरूक करने तथा पराली प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी ग्राम पंचायतों के माध्यम से किसानों को पराली से जैविक खाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके साथ ही निराश्रित गोशालाओं में पराली दान करने की व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जाए, जिससे फसल अवशेष का उपयोगी निस्तारण हो सके।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को इस कार्य के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने पुलिस विभाग के माध्यम से भी पराली जलाने की घटनाओं पर निगरानी रखने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक एवं वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों तक पराली न जलाने का संदेश पहुंचाने तथा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देश दिए कि शेष रह गए किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से पूरी कराई जाए। किसानों को रजिस्ट्री कराने में आने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में चकबंदी वाले गांवों में किसानों की खतौनी के डिजिटलीकरण का कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त बटाईदार किसान भी अब अपनी फार्मर रजिस्ट्री तैयार करा सकते हैं। इसके लिए भारत सरकार के एग्रीस्टैक पोर्टल पर व्यवस्था उपलब्ध करा दी गई है। अपर जिलाधिकारी ने सभी जन सुविधा केंद्र संचालकों को फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

एसपी सिटी मथुरा की वाहन चालकों से अपील, यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा करें



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद मथुरा पुलिस द्वारा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए अपील की जा रही है। एसपी सिटी मथुरा ने सभी वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा की शुरूआत स्वयं से होती है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करें तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें। साथ ही, यातायात संकेतों और सड़क पर बने नियमों का पालन करें। एसपी सिटी मथुरा ने संदेश दिया कि यातायात नियमों का पालन केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। जनपद मथुरा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

आज योगीमय होगा पीलीभीत

श्रीराम कथा के समापन समारोह में पहुंचेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वेलकम इंडिया संवाददाता



पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार, 3 नवंबर को पीलीभीत जिले के दौरे पर पहुंचेंगे। उनका आगमन बीसलपुर तहसील क्षेत्र के नूरानपुर गांव स्थित गोरक्ष पीठ आश्रम में होगा। यहां आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के समापन समारोह में मुख्यमंत्री शामिल होकर धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियों को तेज कर दिया है। आश्रम परिसर से लेकर आसपास के क्षेत्रों तक सुरक्षा और व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है।नूरानपुर गांव स्थित गोरक्ष पीठ आश्रम के शिव मंदिर परिसर में 26 अक्टूबर से श्रीराम कथा का आयोजन चल रहा है। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन का समापन 3 नवंबर को होना है।इसी अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जारी कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दोपहर 12:05 बजे आश्रम परिसर में बनाए जा रहे हेलीपैड पर उतरेगा। उनके आगमन को लेकर आश्रम में मंच, पंडाल और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने स्वयं आश्रम पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान अधिकारियों ने हेलीपैड, कार्यक्रम स्थल, सुरक्षा व्यवस्था और आवागमन से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि सभी जरूरी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं, जिससे कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।हेलीपैड की तैयारी, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरे को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के आवागमन को ध्यान में रखते हुए यातायात नियंत्रण और संभावित रूट डायवर्जन की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।मुख्यमंत्री का यह दौरा मुख्य रूप से धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता के लिए प्रस्तावित है।फिलहाल जिला प्रशासन की पूरी निगाह मुख्यमंत्री के दौरे को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर टिकी है।

उन्नत गन्ना खेती से बढ़ेगी किसानों की आय, कृषक गोष्ठी में दी गई आधुनिक तकनीकों की जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



हजारा/पीलीभीत। लखीमपुर खीरी जनपद की पलिया तहसील क्षेत्र के ग्राम लगदहन में सोमवार को गन्ने की उन्नत खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गन्ना विकास समिति संपूर्णानगर तथा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड संपूर्णानगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में क्षेत्र के प्रगतिशील गन्ना किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस दौरान कृषि विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया।गोष्ठी में अधिकारियों ने शरदकालीन गन्ना बुवाई, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के साथ सहफसली खेती करने के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक पद्धति अपनाकर और उन्नतिशील गन्ना प्रजातियों का चयन करके किसान बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। किसानों को शीघ्र पकने वाली एवं सामान्य गन्ना प्रजातियों की विशेषताओं के बारे में बताते हुए सही समय पर उचित विधि से बुवाई करने की सलाह दी गई।अधिकारियों ने कहा कि गन्ने की खेती में आधुनिक कृषि तकनीकों का इस्तेमाल करने से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार किया जा सकता है। सहफसली खेती के माध्यम से किसान गन्ने के साथ अन्य फसलों का उत्पादन लेकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही किसानों को आगामी पेराई सत्र में चीनी मिल को स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त गन्ने की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान किसानों ने खेती-किसानी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपनी जिज्ञासाओं को अधिकारियों के सामने रखा। अधिकारियों ने किसानों के सवालों का मौके पर ही जवाब दिया और समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी सुझाव दिए।

दो गोल की बढ़त भी उत्तराखंड को नहीं दिला सकी जीत

नेपाल ने शानदार वापसी कर पेनल्टी शूटआउट में छीन लिया मुकाबला

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया हजारा के तत्वावधान में आयोजित विवेकानंद मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट फेस्टिवल में सोमवार को नेपाल और उत्तराखंड की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को अंत तक रोमांच से बांधे रखा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 गोल की बराबरी पर समाप्त हुआ। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में नेपाल की टीम ने एक गोल से जीत दर्ज की।मैच की शुरूआत से ही उत्तराखंड की टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। शुरूआती दौर में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल के खिलाफ लगातार दो गोल दाग दिए। उत्तराखंड की इस बढ़त से टीम ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। पहले हाफ में नेपाल की टीम गोल करने के लिए संघर्ष करती नजर आई।इंटरवल के बाद नेपाल की टीम ने शानदार वापसी की। खिलाड़ियों ने हौसला बनाए रखते हुए आक्रामक रुख अपनाया और उत्तराखंड की रक्षापंक्ति को चुनौती दी। कड़े संघर्ष के बीच नेपाल ने दो गोल दागकर मुकाबले को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ बढ़त बनाने में नाकाम रहीं।इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। दोनों टीमों की ओर से पांच-पांच पेनल्टी किक कराई गईं, लेकिन इसमें भी मुकाबला बराबरी पर रहा। इसके बाद निर्णय के लिए तीन-तीन अतिरिक्त पेनल्टी किक कराने का फैसला लिया गया। इसमें नेपाल की टीम ने उत्तराखंड से एक गोल अधिक दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।पूरे मैच के दौरान खिलाड़ियों का संघर्ष, शानदार खेल और जीत के लिए जज्बा देखने लायक रहा। मैदान पर मौजूद दर्शकों ने भी दोनों टीमों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट का अगला मुकाबला मंगलवार को सिंगाही, संपूर्णानगर और लखीमपुर खीरी की टीमों के बीच खेला जाएगा।

रामलीला मेले में 10 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर शुरू, श्रद्धालुओं को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल की पहल, डॉ. प्रशांत गुप्ता, डॉ. रोहित सिंह और डॉ. दानिश देंगे निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। रामलीला मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, पूरनपुर की ओर से सराहनीय पहल की गई है। संगठन के नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल के नेतृत्व में रामलीला मैदान में 10 दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर एक नवंबर से 10 नवंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसमें मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के साथ जरूरतमंद नागरिकों को भी निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।शिविर का उद्घाटन उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में व्यापार मंडल के संरक्षकों और चिकित्सकों द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान संगठन के संरक्षक महेंद्र मिश्रा, संरक्षक आलोक गुप्ता तथा उपाध्यक्ष डॉ. रोहित सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। शिविर में प्रमुख रूप से डॉ. प्रशांत गुप्ता, डॉ. रोहित सिंह और डॉ. दानिश अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।शुभारंभ के बाद मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। व्यापार मंडल की इस पहल की लोगों ने सराहना की। नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल ने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और परिवार पहुंचते हैं। ऐसे में जरूरत पड़ने पर उन्हें समय से चिकित्सा सुविधा मिल सके, इसी उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है। संगठन का प्रयास है कि जनसेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद की जाए।उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल व्यापारियों के हितों की रक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों और जनकल्याण के कार्यों में भी अपनी जिम्मेदारी निभाता रहा है। चिकित्सा शिविर इसी सेवा भावना का हिस्सा है।कार्यक्रम में युवा नगर अध्यक्ष संजीव यादव, महामंत्री विकास गुप्ता, एडवोकेट मुरारी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अंकित अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश वर्मा, मंत्री राहुल गुप्ता, उपाध्यक्ष दीपक कुमार सहित संगठन के तमाम पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। व्यापार मंडल ने नगरवासियों और रामलीला मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे 10 नवंबर तक चलने वाले इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

आठ लाख खर्च कर की बेटी की शादी, फिर भी नहीं थमी दहेज की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। दहेज में दो लाख रुपये नकद और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को कथित रूप से प्रताड़ित कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ससुराल पक्ष पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न करने, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। स्थानीय स्तर पर शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए उसने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।मामला माधोटांडा थाना क्षेत्र के गांव दोदपुर खल्लपुर का है। गांव निवासी नन्दरानी के अनुसार, उसका विवाह 15 मई 2022 को नेवाराम के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। विवाह के दौरान मायके पक्ष ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार करीब आठ लाख रुपये खर्च कर दान-दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे परेशान करने लगे। उससे दो लाख रुपये नकद और बुलेट मोटरसाइकिल लाने का दबाव बनाया जाने लगा।पीड़िता का आरोप है कि मांग पूरी नहीं होने पर पति, सास, देवर और दो मामा ससुर उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते थे। इस दौरान उसे लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि 13 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12 बजे ससुराल वालों ने फिर दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की और पहने हुए कपड़ों में ही घर से बाहर निकाल दिया। साथ ही दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी दी गई।

यातायात माह का आगाज, पुलिस कमिश्नर ने दिलाया सड़क सुरक्षा का संकल्प





वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को यातायात माह नवंबर-2026 का शुभारंभ किया गया। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल एवं अन्य पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में यातायात पुलिस क्लब में फीता काटकर यातायात माह का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त यातायात, पुलिस उपायुक्त नगर, पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त नगर/अपराध, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त हरीपर्वत/लाइन्स, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात सहित कमिश्नरेट आगरा के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स, अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। यातायात माह के दौरान आगरा पुलिस की ओर से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर वाहन चालकों, छात्र-छात्राओं और आमजन को यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया जाएगा। लोगों को हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा और अन्य सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के साथ सुरक्षित यातायात के लिए जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। जागरूकता के साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार प्रवर्तन की कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के साथ सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों को जिम्मेदार यातायात व्यवहार के लिए प्रेरित करना है। पुलिस ने आमजन से अपील की कि यातायात नियमों को केवल कार्रवाई के डर से नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी समझकर अपनाएं।

किशोरियों को स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। किशोरावस्था में बेहतर स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से सोमवार को नगर के रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किशोरियों के स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 10 से 18 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं को स्वास्थ्य, पोषण और साफ-सफाई से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. मुनीता सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किशोरावस्था शारीरिक और मानसिक विकास की महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस दौरान बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए। उन्होंने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सैनिटरी पैड का नियमित अंतराल पर बदलाव करने तथा व्यक्तिगत साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म एक सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया है, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय उचित जानकारी और चिकित्सकीय परामर्श लेना चाहिए।डॉ. मुनीता सिंह ने संतुलित एवं पौष्टिक भोजन को स्वस्थ शरीर का आधार बताते हुए छात्राओं को हरी सब्जियां, सलाद और मौसमी फलों का सेवन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नियमित योग, व्यायाम और सुबह टहलने से शरीर स्वस्थ रहता है। छात्राओं को सकारात्मक सोच रखने तथा बिना चिकित्सकीय सलाह के किसी भी दवा का सेवन नहीं करने के प्रति भी जागरूक किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबी शिक्षा के साथ स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता की जानकारी भी आवश्यक है।

सम्राट अशोक महान की विरासत किसी जाति या धर्म तक सीमित नहीं, वे सभी भारतवासियों के पूर्वज हैं: मो. अरशद खान

जौनपुर में सम्राट अशोक महान विचार मंच का संगठन सृजन एवं परिचय कार्यक्रम आयोजित, शांति, अहिंसा, सामाजिक सद्भाव और जनकल्याण के आदर्शों को अपनाने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। सम्राट अशोक महान की ऐतिहासिक विरासत, उनके जनकल्याणकारी शासन और सामाजिक सद्भाव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को पीडीए भवन, लड्डन कॉलोनी, कटघरा, जौनपुर में सम्राट अशोक महान विचार मंच की ओर से संगठन सृजन एवं परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सम्राट अशोक महान के जीवन, ऐतिहासिक योगदान, शासन व्यवस्था और सामाजिक दर्शन पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सम्राट अशोक महान भारत के इतिहास के ऐसे महान शासक थे, जिन्होंने युद्ध और हिंसा के बजाय शांति, करुणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता और जनकल्याण को शासन का आधार बनाया। उनका मानना था कि एक आदर्श शासक का सबसे बड़ा कर्तव्य जनता की सेवा करना और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य करना है।

उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक की विरासत किसी एक जाति, धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समूचे भारत की साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है। इसलिए सम्राट अशोक महान सभी भारतवासियों के पूर्वज हैं और उनके आदर्श प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत हैं। सम्राट अशोक के ऐतिहासिक जीवन का उल्लेख करते हुए मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उनका जन्म ईसा मसीह के जन्म से लगभग 260 वर्ष पूर्व हुआ था। कलिंग युद्ध में हुए भीषण नरसंहार और जनहानि ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। इसके बाद उन्होंने युद्ध की विजय के स्थान पर धम्म-विजय, नैतिकता, करुणा और शांति को प्राथमिकता दी। उनके विचारों ने यह संदेश दिया कि वास्तविक महानता दूसरों पर विजय प्राप्त करने में नहीं, बल्कि मानवता की सेवा और समाज में शांति स्थापित करने में है। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक के शिलालेख आज भी धार्मिक सहिष्णुता, आपसी सम्मान और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने विभिन्न धर्मों और मतों के प्रति सम्मान रखने तथा किसी दूसरे समुदाय के प्रति कटुता से बचने पर जोर दिया था। आज भारत जैसे विविधताओं वाले देश में उनके ये विचार और भी प्रासंगिक हैं।



मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में जनता के हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने मनुष्यों और पशुओं के लिए चिकित्सा सुविधाओं, यात्रियों के लिए सुविधाओं, सड़कों के किनारे पेड़ लगवाने और कुएं खुदवाने जैसे जनकल्याणकारी कार्यों को महत्व दिया। उनके शासन में नैतिकता, न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही को विशेष स्थान दिया गया। उन्होंने कहा कि अशोक का धम्म केवल धार्मिक उपदेश नहीं था, बल्कि उसमें माता-पिता का सम्मान, बड़ों के प्रति आदर, सेवकों के साथ उचित व्यवहार, जीवों के प्रति दया और सत्यनिष्ठा जैसे मानवीय मूल्यों को महत्व दिया गया था। उनका विचार था कि शासन का उद्देश्य केवल सत्ता का संचालन करना नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतीकों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज में अशोक चक्र और राष्ट्रीय राजचिह्न में सारनाथ का सिंह स्तंभ सम्राट अशोक की ऐतिहासिक विरासत से जुड़े हैं। ये प्रतीक देश की साझा सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

2027 में पीडीए की सरकार बनाने का किया आह्वान

कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद अरशद खान ने उत्तर प्रदेश की जनता से वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों, रोजगार, किसानों की खुशहाली, बुनकरों के हितों और सभी वर्गों की सम्मानजनक भागीदारी जैसे मुद्दों को ध्यान में रखकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पीडीए की सरकार बनाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट होकर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकास, सामाजिक न्याय और आपसी सद्भाव के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए ऐसी व्यवस्था जरूरी है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित हो।

समाजवादी पार्टी की विचारधारा का उल्लेख करते हुए मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सम्राट अशोक महान के आदर्शों से प्रेरित ऐसे भारत की कल्पना करते हैं, जहां सामाजिक न्याय हो, सभी धर्मों का सम्मान हो और गरीब, पिछड़े, दलित तथा अल्पसंख्यक समाज सहित सभी वंचित वर्गों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज सहित समाज के सभी कमजोर एवं वंचित वर्गों को सम्मान, भागीदारी और न्याय दिलाने की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान कल्याण और बुनकरों की खुशहाली के साथ सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक महान का जीवन हमें सिखाता है कि समाज में नफरत की जगह भाईचारा, भेदभाव की जगह समान अवसर और अन्याय की जगह न्याय होना चाहिए। उनके विचारों को केवल समारोहों और भाषणों तक सीमित रखने के बजाय सामाजिक जीवन, शिक्षा, राजनीति और शासन व्यवस्था में अपनाने की आवश्यकता है।

13 करोड़ वोट चोरी नहीं, मतदाता सूची का शुद्धिकरण है एसआईआर: संबित पात्रा

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में जारी राजनीतिक बहस के बीच भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को काशी से कांग्रेस और विपक्षी दलों पर जोरदार हमला बोला। वाराणसी के सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाने पर लेते हुए कहा कि एसआईआर को 13 करोड़ वोटों की चोरी बताकर देश में भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि यह मतदाता सूची को शुद्ध और व्यवस्थित बनाने की संवैधानिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी राजनीतिक दल की सुविधा या असुविधा का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में हार मिलने पर कांग्रेस कभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर सवाल उठाती है तो कभी चुनाव आयोग की निष्पक्षता को कठघरे में खड़ा करती है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस की हार के लिए चुनाव आयोग और मतदाता सूची जिम्मेदार हैं तो राहुल गांधी अपनी राजनीतिक असफलताओं का जवाब कब देंगे? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 13 करोड़ वोट चोरी का शोर मचाने वाले राहुल गांधी पहले यह बताएं कि कांग्रेस लगातार चुनाव क्यों हार रही है और 56 चुनावों में मिली हार का कारण क्या है? भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया नरेंद्र मोदी सरकार ने पहली बार शुरू नहीं की है। उनके अनुसार, देश में अब तक 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, जिनमें 10 बार कांग्रेस के शासनकाल और दो बार भाजपा के शासनकाल में यह प्रक्रिया अपनाई गई। ऐसे में कांग्रेस द्वारा इसे भाजपा की राजनीतिक साजिश बताना तथ्यों की अनदेखी करना है। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के आधारों की जानकारी देते हुए बताया कि इसके लिए एएसडीडी यानी अनुपस्थित (एब्सेंट), स्थायी रूप से स्थानांतरित (शिफ्टेड), मृतक (डेथ) और दोहरी प्रविष्टि (डुप्लीकेट) की श्रेणियां निर्धारित हैं। इन श्रेणियों के अंतर्गत ऐसे मतदाताओं की पहचान की जाती है, जिनका नाम संबंधित क्षेत्र की मतदाता सूची में बने रहना उचित नहीं है। संबित पात्रा ने दावा किया कि लगभग तीन करोड़ लोग अनुपस्थित श्रेणी में चिह्नित हुए हैं, जबकि करीब छह करोड़ लोगों ने फॉर्म-6 के माध्यम से नाम जुड़वाने की प्रक्रिया अपनाई है।

रोटरी क्लब खुर्जा सिटी का पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित, करवा चौथ क्वीन बनीं एनी तनुजा चौधरी

वेलकम इंडिया संवाददाता



खुर्जा। रोटरी क्लब खुर्जा सिटी की ओर से करवा चौथ एवं दीपावली उत्सव के उपलक्ष्य में महाराजा अग्रसेन भवन में भव्य पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में क्लब के करीब 50 रोटरी परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में पारिवारिक एकता, आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेलों और कपल डांडिया ने समारोह में चार चांद लगा दिए। पूरे आयोजन के दौरान सदस्यों और उनके परिवारों में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निर्वाचित मंडलाध्यक्ष 2027-28 रोटेरियन डॉ. काव्या सौरभ रस्तोगी उपस्थित रहीं। उन्होंने रोटरी क्लब खुर्जा सिटी के 26 वर्षों के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवा के साथ-साथ पारिवारिक एकजुटता और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना भी रोटरी परिवार की महत्वपूर्ण विशेषता है। उन्होंने क्लब के सदस्यों द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और भविष्य में भी इसी तरह सेवा भावना के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया। समारोह का प्रमुख आकर्षण करवा चौथ क्वीन अवार्ड रहा, जिसके लिए एनी तनुजा चौधरी को सम्मानित किया गया। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें रोटरी परिवारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कपल डांडिया कार्यक्रम ने विशेष आकर्षण पैदा किया। संगीत की धुनों पर सदस्यों ने उत्साह के साथ भागीदारी करते हुए उत्सव का आनंद लिया। कार्यक्रम में पारिवारिक सहभागिता और सांस्कृतिक रंगों ने सभी का मन मोह लिया। दीपावली और करवा चौथ के अवसर पर आयोजित इस मिलन समारोह ने रोटरी परिवारों को एक-दूसरे के साथ समय बिताने और खुशियां साझा करने का अवसर प्रदान किया।

त्योहारों को लेकर शिकारपुर में पुलिस का पैदल मार्च, सुरक्षा व्यवस्था का सीओ ने लिया जायजा

सीओ दीपक कुमार तिवारी ने व्यापारियों और आमजन से किया संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता



शिकारपुर (बुलंदशहर)। सोमवार देर शाम को आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस ने कस्बा शिकारपुर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पैदल मार्च किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी शिकारपुर दीपक कुमार तिवारी ने पुलिस बल के साथ प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमण कर कानून व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल मार्च के दौरान सीओ ने स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, गणमान्य व्यक्तियों एवं आमजन से बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव जाने। उन्होंने लोगों से आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। इस दौरान क्षेत्राधिकारी ने लोगों को अफवाहों से दूर रहने की हिदायत देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक एवं आपत्तिजनक सूचनाओं को बिना सत्यापन के साझा न करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा डायल-112 पर दें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है। इस मौके पर सीओ तथा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के साथ कोतवाली का समस्त पुलिस बल उपस्थित रहा।

11 नवंबर को धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान श्री चित्रगुप्त जयंती

मेधावी विद्यार्थियों और समाजसेवियों को मिलेगा 'कायस्थ शिरोमणि' सम्मान

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह



वाराणसी। भगवान श्री चित्रगुप्त की जयंती के अवसर पर आगामी 11 नवंबर, बुधवार को वाराणसी में श्रद्धा और उल्लास के साथ भव्य आयोजन किया जाएगा। ग्लोबल कायस्थ कमेटी परिवार की ओर से महमूरगंज स्थित प्राचीन श्रीराम-जानकी मंदिर, रघुनाथ नगर में पूजन-अर्चन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में आयोजक संस्था की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से आयोजन की रूपरेखा तय की गई। आयोजकों के अनुसार 11 नवंबर को शाम चार बजे से भगवान श्री चित्रगुप्त की विधिवत पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं और समाज के लोगों के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। आयोजन में बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के लोगों और श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। इस वर्ष जयंती समारोह को विशेष बनाने के लिए शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही कायस्थ समाज के ऐसे विद्वतजनों और समाजसेवियों को भी 'कायस्थ शिरोमणि' सम्मान प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, मेहनत और सामाजिक योगदान से समाज में विशिष्ट पहचान बनाई है। आयोजकों का कहना है कि इस सम्मान का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय लोगों के योगदान को पहचान दिलाना है। इससे नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरणा मिलेगी।

बैठक में आयोजन की तैयारियों पर हुई चर्चा

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में सभी सदस्यों ने आयोजन को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। भगवान श्री चित्रगुप्त जयंती को समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में मनाने पर जोर दिया गया। साथ ही पूजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सम्मान समारोह और भंडारे की व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में शशिकान्त श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, गुड्डू, दीपेन्द्र श्रीवास्तव, कृपाशंकर श्रीवास्तव, शिवजी सिन्हा, प्रवीण सहाय और सुषमा श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वाराणसी मंडल में मनाया जा रहा 'सतत स्वस्थ जीवनशैली सप्ताहस

1 से 7 नवंबर तक चलेगा विशेष जागरूकता अभियान, प्रमुख रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और रेल कॉलोनियों में आयोजित हो रहे कार्यक्रम

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल में 1 से 7 नवंबर 2026 तक 'सतत स्वस्थ जीवनशैली सप्ताह' मनाया जा रहा है। रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार आयोजित इस विशेष सप्ताह के तहत रेलकर्मियों, अधिकारियों और कर्मचारियों को ऊर्जा की बचत, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में मंडल के विभिन्न प्रमुख रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों और मंडलीय चिकित्सालय में ऊर्जा संरक्षण को लेकर शपथ ग्रहण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) कुंवर सिंह यादव के नेतृत्व में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से रेलकर्मियों को बताया जा रहा है कि ऊर्जा संरक्षण केवल बिजली की खपत कम करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य तैयार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सतत स्वस्थ जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत वाराणसी मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों के साथ मंडलीय चिकित्सालय में भी अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा मंडल के विभिन्न छोटे-बड़े रेलवे स्टेशनों पर भी ऊर्जा संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अभियान में छपरा, बलिया, वाराणसी सिटी, प्रयागराज रामबाग, सीवान, भटनी, मऊ, गाजीपुर सिटी, आजमगढ़ और बनारस रेलवे स्टेशन प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन स्थानों पर रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ऊर्जा के महत्व और दैनिक कार्यों में बिजली की अनावश्यक खपत रोकने के उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को बताया गया कि ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी आवश्यक है। कार्यालयों, कार्यस्थलों और आवासीय परिसरों में आवश्यकता न होने पर बिजली के उपकरण बंद रखना, विद्युत उपकरणों का जरूरत के अनुसार इस्तेमाल करना तथा अनावश्यक बिजली की खपत से बचना ऊर्जा संरक्षण के प्रभावी उपाय हैं। अधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा की बचत से न केवल बिजली की खपत और खर्च में कमी आती है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी होता है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग बेहद जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति यदि अपनी दिनचर्या में छोटी-छोटी सावधानियां अपनाए तो सामूहिक रूप से ऊर्जा संरक्षण के बड़े लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

मस्जिद में निकाह करें, फिजूलखर्ची से बचें: मुफ्ती अफ्फान मंसूरपुरी

वेलकम इंडिया संवाददाता



टांडा। रविवार शाम जामा मस्जिद टांडा में इस्लाह-ए-मुआशरा के विषय पर एक विशेष जलसा आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर मुफ्ती सैयद मुहम्मद अफ्फान मंसूरपुरी (अमरोहा) ने शिरकत की। अपने संबोधन में मुफ्ती साहब ने निकाह को आसान बनाने, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और गैरजरूरी रस्मों से दूर रहने तथा मस्जिदों में निकाह पढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि निकाह सुन्नत और शरीअत के मुताबिक करें तथा समाज से गैर-शरई रिवाजों को खत्म करने में सहयोग दें। जलसे की अध्यक्षता मौलाना जलीस अहमद, इमाम जामा मस्जिद टांडा ने की। संचालन मुफ्ती मुहम्मद वसीम, इमाम व खतीब जामा मस्जिद टांडा ने किया। कारी मंसूर ने तिलावत-ए-कलाम पाक से कार्यक्रम का आगाज किया। कारी रियासत अली और कारी जुल्फिकार ने नात-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पेश की। मुख्य अतिथि का परिचय मौलाना मुहम्मद फहीम कासमी, नाज़िम जमीयत उलमा जिला रामपुर ने कराया। स्वागत अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी सरफराज आलम और मौलाना जहीरुल इस्लाम कासमी, सदर जमीयत उलमा जिला रामपुर ने किया। अंत में मुफ्ती अशरफ ने आभार व्यक्त किया। जलसे के कन्वीनर मौलाना मुहम्मद उस्मान रहे।

खाद्य सुरक्षा जांच के नाम पर छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न बंद हो, दोषी अधिकारियों पर हो कार्रवाई: प्रदीप जायसवाल

दीपावली से पहले हलवाई, मिठाई विक्रेताओं और फुटकर दुकानदारों को परेशान करने का लगाया आरोप, जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के माध्यम से राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह





वाराणसी। दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच और नमूने लेने की कार्रवाई को लेकर छोटे व्यापारियों का मुद्दा गरमा गया है। समाजवादी व्यापार सभा ने खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों पर जांच और नमूने लेने के नाम पर छोटे एवं फुटकर व्यापारियों को कथित रूप से आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने मांग की है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के नाम पर ईमानदारी से कारोबार करने वाले व्यापारियों का उत्पीड़न तत्काल बंद किया जाए तथा अवैध वसूली, धमकी और अनावश्यक दबाव बनाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए। इसी मांग को लेकर समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेशव्यापी ज्ञापन कार्यक्रम के तहत वाराणसी में जिलाध्यक्ष आलोक प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष काशी नाथ गुप्ता के संयुक्त नेतृत्व में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में एसीएम प्रथम अवधेश चौहान को महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। यह कार्यक्रम समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सहमति तथा समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के निर्देश पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने मीडिया के माध्यम से व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकना और आम जनता को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है। समाजवादी व्यापार सभा भी मिलावटखोरी के खिलाफ कठोर और नियमानुसार कार्रवाई का पूरा समर्थन करती है, लेकिन खाद्य सुरक्षा कानूनों की आड़ में ईमानदारी से अपना कारोबार करने वाले छोटे व्यापारियों का आर्थिक एवं मानसिक उत्पीड़न किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्योहार से पहले हलवाई, मिठाई विक्रेता, परचून दुकानदार और छोटे फुटकर व्यापारी अपनी दुकानों के माध्यम से आम जनता को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने में जुटे रहते हैं। ऐसे समय में जांच के नाम पर उन्हें भयभीत करना, अनावश्यक दबाव बनाना और आर्थिक रूप से परेशान करना उनके व्यापार और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। खाद्य सुरक्षा विभाग को अपनी कार्रवाई पूरी पारदर्शिता और निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत करनी चाहिए।

समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष आलोक प्रकाश गुप्ता ने कहा कि दीपावली छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए कारोबार का महत्वपूर्ण समय होता है। हलवाई, मिठाई विक्रेता और परचून दुकानदार त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में ग्राहकों को सेवाएं देते हैं। ऐसे समय में यदि जांच के नाम पर उन्हें भयभीत किया जाता है या अनावश्यक दबाव बनाया जाता है तो इसका सीधा असर उनके कारोबार और परिवार की आजीविका पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच जरूरी है, लेकिन इसके लिए निष्पक्षता, पारदर्शिता और कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। किसी भी व्यापारी को बिना उचित कारण परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदेश के सभी जनपदों में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि खाद्य पदार्थों की जांच और नमूने लेने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार पारदर्शी तरीके से संचालित हो। छोटे व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने, दबाव बनाने और भयभीत करने की घटनाओं पर तत्काल रोक लगाई जाए। इसके साथ ही ज्ञापन में अवैध वसूली, धमकी और उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई। संगठन ने कहा कि मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ईमानदारी से व्यवसाय करने वाले छोटे एवं फुटकर व्यापारियों को सम्मान और भयमुक्त वातावरण मिलना भी उतना ही जरूरी है।

समाजवादी व्यापार सभा ने चेतावनी दी कि ज्ञापन सौंपने के बाद भी यदि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा छोटे दुकानदारों को जांच और नमूने लेने के नाम पर अनावश्यक रूप से परेशान किया जाता रहा तो संगठन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर हल्ला बोल आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

एसआरएम विश्वविद्यालय के 23 एनसीसी कैडेट्स ने वृद्धाश्रम का किया दौरा

बुजुर्गों को भेंट की आवश्यक सामग्री

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, दिल्ली-एनसीआर कैंपस, मोदीनगर के एनसीसी कैडेट्स द्वारा समाज सेवा एवं मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वामी कल्याणदेव मानव सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा संचालित वृद्धाश्रम का दौरा किया गया। इस सामाजिक सेवा कार्यक्रम में संस्थान के कुल 23 एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन एवं डीन प्रो. आर. पी. महापात्र के मार्गदर्शन में तथा एनसीसी अधिकारी कैप्टन ए. कथिरेसन के समन्वय में किया गया। इस अवसर पर एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिराधना एवं ज्योति सचदेवा भी उपस्थित रहे और उन्होंने कैडेट्स का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और उनके साथ समय बिताया। कैडेट्स ने बुजुर्गों के जीवन के अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वृद्धाश्रम के लिए खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं भी भेंट की गईं। संस्थान के निदेशक डॉ. एस. विश्वनाथन एवं डीन प्रो. आर. पी. महापात्र ने इस सामाजिक सेवा पहल के लिए एनसीसी कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कैडेट्स की सेवा भावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उन्हें इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यों में निरंतर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, वृद्धाश्रम में दान हेतु खाद्य सामग्री उपलब्ध कराकर इस नेक पहल में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कार्यक्रम में कैडेट्स तन्वी सिंह, वंशिका सिंह, सर्वोच्च श्रीवास्तव, रिशित त्यागी, अनंत दुबिश, दिव्यांश चौहान, हर्ष भारद्वाज, यशस्वी शर्मा एवं आदर्श चौहान सहित अन्य एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। सभी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक इस सामाजिक सेवा गतिविधि में भाग लिया और बुजुर्गों के प्रति सम्मान एवं सेवा भावना का परिचय दिया। एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिराधना एवं ज्योति सचदेवा ने इस प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल अनुशासन और नेतृत्व क्षमता ही नहीं सिखाता, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा भी देता है।

नवनियुक्त एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष का फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी अनिल त्यागी के आवास पर निवाड़ी चेयरमैन द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जगदीश कुमार का ढोल-नगाड़ों और फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।जगदीश कुमार को एससी मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्रवासियों और कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी ने एक समर्पित और कर्मठ कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है। उनके नेतृत्व से संगठन को मजबूती मिलेगी और अनुसूचित जाति वर्ग की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होगा। कार्यक्रम में उपस्थित समर्थकों और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई। इस दौरान नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष जगदीश कुमार ने शीर्ष नेतृत्व और नगर पंचायत अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा सौंपी गई इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे तथा पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस मौके पर अंकित त्यागी , देवेंद्र त्यागी , राजकुमार सिंह , सभासद मंगेश्वर सभासद विकास त्यागी, सभासद कादर खान, नीटू कुमार राहुल सक्सैना, अंशु निषाद, आदि लोग उपस्थित रहे।

अदालत में फर्जी शपथपत्र लगाकर हासिल की जमानत, दो भाइयों पर मुकदमा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अदालत में कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज और अधिवक्ता की कूटरचित मुहर लगाकर जमानत हासिल करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो भाइयों ने जमानत के लिए अदालत में फर्जी शपथपत्र प्रस्तुत किए। मामले की जानकारी मिलने पर शिकायतकर्ता ने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर कविनगर थाना पुलिस ने दोनों भाइयों के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बंथला निवासी प्रमोद कुमार शर्मा ने अदालत में शिकायत देकर बताया कि दो जून 2022 को उन्होंने लोनी थाने में सतेंद्र शर्मा और ललित शर्मा के खिलाफ मारपीट और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में दोनों आरोपितों को 27 मार्च 2025 को जमानत मिल गई थी। आरोप है कि जमानत की प्रक्रिया के दौरान दोनों भाइयों ने अधिवक्ता के नाम से फर्जी शपथपत्र तैयार कराए और उन पर अधिवक्ता की फर्जी मुहर लगाकर अदालत में प्रस्तुत कर दिए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जमानत के लिए प्रस्तुत किए गए शपथपत्रों में जमानतदार के रूप में अजित निवासी बेगमाबाद बुदाना और सुमेर सिंह निवासी गांव राजपुर, थाना सिंभावली का नाम दर्ज किया गया था। हालांकि, दोनों ने शपथपत्रों पर अपने हस्ताक्षर होने से इनकार कर दिया। इससे दस्तावेजों की सत्यता पर सवाल खड़े हो गए। प्रमोद शर्मा ने आरोप लगाया कि अदालत में फर्जी दस्तावेज लगाए जाने का विरोध करने पर उन्हें धमकियां दी गईं। आरोपितों ने उन्हें जान से मारने की धमकी देकर शिकायत न करने का दबाव बनाया। इसके बाद उन्होंने मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर सतेंद्र शर्मा और ललित शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा निवासी जवाहर नगर, दिल्ली के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स कॉलेज में भव्य एवं आकर्षक फैशन शो का आयोजन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर के वस्त्र एवं परिधान विभाग (स्ववित्तपोषित) द्वारा एक भव्य एवं आकर्षक फैशन शो विभागीय गतिविधि के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं फैशन संबंधी कौशल को मंच प्रदान करना तथा एम.एससी. टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग पाठ्यक्रम के प्रति छात्राओं को जागरूक एवं प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. मीनू अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ छात्राओं के सर्वांगीण विकास, व्यावहारिक ज्ञान एवं व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम के अतिथि हिमांशु, सीईओ, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी, मुंबई रहे। उन्होंने छात्राओं की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा की तथा फैशन एवं वस्त्र उद्योग में उपलब्ध रोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला। फैशन शो का संयोजन डॉ. राखी शर्मा द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम की सहसंयोजीका श्रीमती गायत्री शर्मा रही।

एम.एससी. टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग एवं एम. ए. गृह विज्ञान की अंतिम वर्ष की छात्राओं ने फैशन शो की कोरियोग्राफी एवं आयोजन की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फैशन शो में छात्राओं ने विभिन्न थीम पर आधारित आकर्षक परिधानों का प्रदर्शन किया। इसमें भारतीय संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा एवं क्षेत्रीय लोक परंपराओं को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया।

प्रतियोगिता में खुशबू की गुजराती गरबा थीम तथा वैशाली की कर्नाटक ट्रेडिशन थीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय स्थान पर लवी की साउथ इंडियन थीम एवं विधि की ब्लॉसम थीम रही। तीसरा स्थान खुशी की इंडो वेस्टर्न थीम और हिमानी की ट्रेडिशनल साड़ी ने प्राप्त किया। सभी छात्राओं की प्रस्तुतियों को दर्शकों एवं निर्णायकों द्वारा विशेष सराहना मिली। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ राखी मित्तल , डॉ चेतना, डॉ नम्रता शर्मा, डॉ शिखा त्यागी, डॉ ईशा सचदेवा, एवं श्रीमती आशी गुप्ता का विशेष योगदान रहा। सहयोग देने वाले सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रभाष जोशी की स्मृतियों में डूबा मेवाड़ ऑडिटोरियम, भजनों और संस्मरणों से दी भावभीनी श्रद्धांजलि



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रख्यात पत्रकार एवं चिंतक दिवंगत प्रभाष जोशी की 17वीं पुण्यतिथि पर वसुंधरा स्थित मेवाड़ ऑडिटोरियम में भावपूर्ण स्मृति सभा आयोजित की गई। प्रभाष परंपरा न्यास, प्रज्ञा संस्थान और मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में देशभर से आए पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने प्रभाष जी के व्यक्तित्व, पत्रकारिता के प्रति उनके समर्पण और उनसे जुड़ी यादों को साझा किया। कार्यक्रम में वीएन भातखंडे संगीत महाविद्यालय, गाजियाबाद के संस्थापक-निदेशक एवं प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित हरिदत्त शर्मा ने अपनी टीम के साथ सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। करीब एक घंटे तक चले भजन कार्यक्रम में उपस्थित लोग भावविभोर होकर संगीत का आनंद लेते रहे। भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और भावपूर्ण बना दिया। स्मृति सभा में वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रभाष परंपरा न्यास के प्रबंध न्यासी राम बहादुर राय, वरिष्ठ पत्रकार शंभुनाथ शुक्ला और हेमंत शर्मा सहित कई पत्रकारों ने प्रभाष जोशी से जुड़े संस्मरण सुनाए। प्रभाष जी की पत्नी उषा जोशी और पुत्र संदीप जोशी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। वक्ताओं ने उनके विचारों, लेखन और पत्रकारिता में योगदान को याद करते हुए उनके साथ बिताए पलों को साझा किया।

दीपावली के पावन पर्व पर दीप सज्जा एवं कंडील बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार द्वारा दी डैफोडिल्स स्कूल, गोविंदपुरी, मोदीनगर में विद्यार्थियों के लिए दीप सज्जा एवं कंडील बनाओ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा, कलात्मक अभिरुचि एवं कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करना तथा भारतीय संस्कृति एवं दीपावली की पारंपरिक कलाओं से जोड़ना था। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे।दीप सज्जा प्रतियोगिता (कक्षा 1 से 4) प्रथम स्थान - निकुंज एवं अर्नव शर्मा, द्वितीय स्थान - धैर्य एवं आयांश चौधरी, तृतीय स्थान - शानवी एवं प्रत्युषा शर्मा, सांत्वना पुरस्कार - कुंज एवं हर्ष, कंडील बनाओ प्रतियोगिता (कक्षा 5) प्रथम स्थान - भावेश द्वितीय स्थान - अनव्या गुप्ता, तृतीय स्थान - गौरव,सांत्वना पुरस्कार - वेदांत विशेष आभार एवं धन्यवाद। लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार की ओर से विद्यालय की स्वामिनी बन्दना बंधवार मैम, निर्देशक उपमन्यु बंधवार, प्रधानाचार्या डॉ. पूजा गुप्ता मैम तथा अनुराधा मैम एवं ज्योति मैम,अदिति मैम,सोनिका मैम,शालिनी मैम, नेहा मैम, वंशिका मैम का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। जिनके सहयोग, मार्गदर्शन एवं आतिथ्य से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। निर्णायक मंडल में रचना अग्रवाल, लायन डॉ. नीतू गुप्ता एवं लायन मीना तायल ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा बच्चों की कलाकृतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी लायन सदस्यों कोषाध्यक्ष लायन कल्पना गुप्ता, लायन पूनम गर्ग एवं प्रतिभा गर्ग का भी विशेष योगदान रहा। अंत में क्लब अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता की ओर से सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही यह संदेश दिया गया कि ऐसे रचनात्मक आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास, कला एवं प्रतिभा को निखारने का सुंदर माध्यम हैं। लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार ने विद्यालय परिवार एवं सभी सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मोहन पार्क स्थित शिव दुर्गा मंदिर में भगवान की मूर्तियों की पूजा अर्चना के साथ की प्राण प्रतिष्ठा



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोहन पार्क स्थित शिव दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना के साथ भगवान शिव जी का दरबार व गणेश जी बांके बिहारी जी हनुमान जी की मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा की गई। पंडित घनश्याम शास्त्री ने पूजा अर्चना भगवान की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कराई। इस मौके पर भजन कीर्तन का भी आयोजन किया जिसमें श्रद्धालुओं में बड़ी संख्या में भाग लिया। इस मौके विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में भी काफी संख्या में श्रद्धालु जनों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का आयोजन पालिका के पूर्व चेयरमैन राम आसरे शर्मा डीडी कौशिक, एन बी पंत, एमपी सिंह, आरसी गोयल, डी के त्यागी व समस्त मोहन पार्क निवासियों के सहयोग से आयोजन हुआ। कार्यक्रम में शामिल होकर मोदीनगर वासियों ने धर्म लाभ उठाया। कार्यक्रम में एनपी बंसल, मोहनपर्क निवासी सचिन शर्मा दिनेश गोयल सतबीर राघव योगेंद्र बल्हारा, पप्पन शर्मा मनीष अग्रवाल संजय शर्मा बॉबी पन्नी वाले ,अरुण गहलोत, भरत ,मयंक शर्मा ,सुदीप मित्र ,अशोक चौहान,आयुष,भूपेंद्र पांडे,देवेंद्र सिसोदिया,मनीष गर्ग, आदि उपस्थित रहे।

34 वी उत्तर प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप मे गाजियाबाद के मास्टर्स एथलीटस का दबदबा

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। जिला मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन गाजियाबाद जिला अध्यक्ष अजय प्रमुख और जिला सचिव लिखी राम चौधरी के नेतृत्व में लखनऊ यूनिवर्सिटी के ग्राउंड पर होने वाले चैंपियनशिप में निम्न एथलीटों ने पदक जीते। 1.आयु वर्ग 70+ मे ब्रज भान शर्मा ने 3 गोल्ड मेडलः-गोला फेक, डिस्कस थ्रो, भाला फेक मे।

लिखीराम चौधरी ने 01 गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैमर थ्रो मे; 02 सिल्वर मेडल प्राप्त किये भाला फेक मे; डिस्कस थ्रो मे। एडवोकेट सत्यकेतु सिह ने 01 सिल्वर मेडल प्राप्त किया। सत्यवीर त्यागी ने 03 गोल्ड मेडल प्राप्त किए 100. 200. 400. दौड़कर। 2. आयु वर्ग 65+ मे भीम सिंह ने 02 गोल्ड मेडल 100. 200. दौड़कर। 01 ब्रॉन्ज मेडल लम्बी कुद मे। ओमप्रकाश ने भाला फैक सिल्वर मेडल प्राप्त किया ।

डिस्कस थ्रो मे ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। 3. आयु वर्ग 60+ मे वीरेंद्र कुमार ने 03 सिल्वर मेडल प्राप्त किए भाला फेक; गोला फेक; हैमर थ्रो मे। विजेन्द्र सिह मलिक ने 01 गोल्ड मेडल 4 400. रिले दौड़कर। 01 सिल्वर मेडल डिस्कस थ्रो मे। 01 ब्रॉन्ज मेडल हैमर थ्रो मे। 4.आयु वर्ग 55+ अजय प्रमुख ने तीन मेडल प्राप्त किया 40 .4 रिले दौड़ में गोल्ड मेडल 100 .4 रिले दौड़ में में सिल्वर मेडल 400 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया। देवेंद्र सिंह ने तीन गोल्ड और एक सिल्वर, हैमर थ्रो, डिस्कस थ्रो, जैवलिन मैं गोल्ड और 100 .4 में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। राकेश कुमार दक्ष ने 02 सिल्वर मेडल प्राप्त किए। लव कुश ने 01 गोल्ड मेडल प्राप्त किया 4 400 मी रिले दौड़कर। 01 सिल्वर मेडल 4 100 मी रिले दौड़कर। 5.आयु वर्ग 35+ मे पारूल राठौर ने 03 गोल्ड मेडल प्राप्त किए 100 मी दौड़कर 200 मी दौड़कर 4 100 मी रिले दौड़कर ; 01 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया 5000 मी दौड़कर।

दवा अनुसंधान में एआई की बढ़ती भूमिका, विद्यार्थियों को सिखाए उद्योग के आधुनिक तौर-तरीके

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। दवा अनुसंधान और चिकित्सा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में फामेर्सी के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों, दवाओं के परीक्षण और औषधि नियामक प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी देने के उद्देश्य से एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज ने एक दिवसीय विशेषज्ञ कार्यशाला का आयोजन किया। 31 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यशाला में रतिराम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन की जीवन विज्ञान इकाई के सहयोग से विद्यार्थियों और शिक्षकों को अनुसंधान से लेकर दवाओं के अनुमोदन तक की प्रक्रिया समझाई गई। कार्यशाला का विषय 'अनुसंधान से नियमन तक : नैदानिक अनुसंधान पद्धति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, आवश्यक दस्तावेजीकरण और औषधि नियामक आवश्यकताओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षणइ रखा गया। इसमें रतिराम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, नई दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं नैदानिक संचालन, गुणवत्ता आश्वासन और नियामक मामलों के निदेशक मुकेश कुमार ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। मुकेश कुमार ने अपने औद्योगिक अनुभव साझा करते हुए नैदानिक अनुसंधान की वैज्ञानिक पद्धतियों, अनुसंधान की रूपरेखा, अध्ययन की योजना, आंकड़ों के संग्रह और दवाओं की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय निगरानी और जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। दृष्टिकोण, नैतिकता, व्यवस्थित दस्तावेजीकरण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों का पालन बेहद जरूरी है। कार्यशाला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग पर विशेष चर्चा हुई। विशेषज्ञ ने बताया कि एआई आधारित तकनीकों से आंकड़ों का विश्लेषण, अनुसंधान प्रक्रियाओं का बेहतर प्रबंधन और निर्णय लेने की क्षमता अधिक प्रभावी हो रही है। हालांकि, इसके इस्तेमाल में आंकड़ों की गोपनीयता, सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय निगरानी और जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

नगर निगम परिसर में 5 नवंबर को सजेगा स्वनिधि महोत्सव, पथ विक्रेताओं को मिलेगा कारोबार बढ़ाने का मौका

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। रेहड़ी-पटरी दुकानदारों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद नगर निगम परिसर में 5 नवंबर को भव्य स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में शहरी पथ विक्रेताओं और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं अपने उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शन के लिए स्टॉल लगा सकेंगी। इसके माध्यम से उन्हें अपने कारोबार को आगे बढ़ाने और अधिक लोगों तक अपने उत्पाद पहुंचाने का अवसर मिलेगा। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और पथ विक्रेताओं के योगदान को सम्मान देने के लिए 15 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक देशव्यापी स्वनिधि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। देश के 76 चयनित शहरों में होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के छह शहर शामिल हैं, जिनमें गाजियाबाद भी एक है।

जर्जर सड़क से परेशान 5000 परिवारों का फूटा गुस्सा, लगाए 'रास्ता नहीं तो वोट नहीं' के पोस्टर

एसकेएस वर्ल्ड स्कूल रोड के पुनर्निर्माण की मांग, चिपियाना बुजुर्ग की कई सोसायटियों के निवासियों ने किया जोरदार प्रदर्शन







कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा वेस्ट (वेलकम इंडिया)। चिपियाना बुजुर्ग क्षेत्र में जर्जर सड़क की समस्या से परेशान 5000 से अधिक परिवारों का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। ग्रीन रेजिडेंसी, किंग्सन ग्रीन विला समेत आसपास की कई सोसायटियों के निवासियों ने एसकेएस वर्ल्ड स्कूल रोड के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नेताओं के पोस्टर लगाकर 'रास्ता नहीं तो वोट नहीं' का संदेश दिया और सड़क निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताई।

निवासियों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण रोजाना हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूली बच्चों, महिलाओं और नौकरीपेशा लोगों को होती है। सड़क पर बने गड्ढों और खराब रास्ते के कारण लोगों को आने-जाने में काफी समय लगता है। साथ ही दुर्घटना होने का खतरा भी बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क का पुनर्निर्माण कराने की मांग की। उनका कहना है कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। निवासियों ने चेतावनी दी कि यदि सड़क निर्माण को लेकर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे अपना विरोध और तेज करेंगे।

देव कुमार के शतक से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की शानदार जीत, राजेंद्र नगर कोल्ट्स को 22 रन से हराया





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। देव कुमार के शानदार शतक और बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने रोमांचक मुकाबले में राजेंद्र नगर कोल्ट्स को 22 रन से हराकर जीत दर्ज की। देव कुमार को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि एकता को फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 216 रन बनाए। देव कुमार ने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली, जबकि शौर्य मलिक ने नाबाद 28 रन का योगदान दिया। राजेंद्र नगर कोल्ट्स की ओर से अंकित ने तीन और एकता ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजेंद्र नगर कोल्ट्स की टीम 36.2 ओवर में 194 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से एकता ने 65 और अंकित ने 52 रन बनाए। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से देव कुमार ने तीन विकेट चटकाए, जबकि आराध्या शेरावत और दिव्यांश शर्मा ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर श्री नीरज गौतम ने सभी युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने लड़कियों के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

कनावनी में किसानों का आंदोलन जारी, मांगें नहीं मानीं तो सड़क पर उतरेंगे किसान



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कनावनी गांव में जमीन वापस लेने की मांग को लेकर किसानों का धरना सोमवार को 81वें दिन भी जारी रहा। किसानों का कहना है कि लंबे समय से आंदोलन करने के बावजूद उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हो रही है। इससे किसानों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। धरनारत किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही देशभर के किसान संगठनों को आंदोलन से जोड़कर संघर्ष को व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों ने कहा कि वे अपनी जमीन वापस लेने की मांग को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। किसानों ने प्रशासन से मामले में गंभीरता दिखाते हुए उनकी मांगों पर जल्द निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश, अपराधियों पर कसेगा शिकंजा





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी दीपावली, धनतेरस, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के मद्देनजर गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में समीक्षा गोष्ठी कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गोष्ठी में साहिबाबाद और शालीमार गार्डन सर्किल के एसीपी, थाना प्रभारी और चौकी व हल्का प्रभारियों ने भाग लिया। इस दौरान सक्रिय अपराधियों, गैंगस्टर एक्ट के आरोपियों तथा चोरी, नकबजनी, लूट और झपटमारी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। अपराध की प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों पर निगरानी रखने और उनके खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। राजकरन नैय्यर ने त्योहारों के दौरान बाजारों, प्रमुख व्यापारिक प्रतिष्ठानों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। इसके लिए पिछले वर्षों की शिकायतों और डायल-112 से मिली सूचनाओं के आधार पर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित करने को कहा गया। साथ ही प्रभावी गश्त, जनसंपर्क और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

दंगल में जा रही महिला पहलवानों से छेड़छाड़, विरोध पर मारपीट और जानलेवा धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दंगल में हिस्सा लेने जा रही महिला पहलवानों की राह में कार सवार युवकों ने न केवल अभद्रता और छेड़छाड़ की, बल्कि विरोध करने पर उनके साथ मारपीट भी की। आरोप है कि युवकों ने उनकी गाड़ी रोकने का प्रयास किया और विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। घटना में महिला पहलवानों को चोटें आई हैं। पीड़ित परिवार की शिकायत पर नंदग्राम थाना पुलिस ने चार नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 11:30 बजे वह परिवार की महिलाओं के साथ वाहन से डगरपुर में आयोजित दंगल में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी मोरटा गांव के रास्ते पर पहुंची, वहां मौजूद कार सवार युवकों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोप है कि युवकों ने गाड़ी के पास आकर अभद्रता की और परिवार की महिलाओं, विशेषकर बहन और बेटी के साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित परिवार ने जब युवकों की हरकतों का विरोध किया तो आरोपितों ने उनकी गाड़ी रोकने का प्रयास किया। इसके बाद उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में दोनों लड़कियों को चोटें आईं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने पिस्टल की बट से भी वार कर उन्हें घायल किया। जाते समय आरोपितों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित परिवार वेव सिटी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। परिवार की एक महिला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में जुटीं दिव्या, शिक्षा से रोजगार तक मिल रही मदद





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में नींव शक्ति संस्थान की सह-संस्थापक एवं समाजसेविका दिव्या महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पूर्व रेडियो जॉकी और केमिस्ट्री शिक्षिका रहीं दिव्या दिव्यांगजनों तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही हैं। नींव शक्ति संस्थान के माध्यम से दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, पेंशन और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया जा रहा है। संस्थान के देव भागीरथी लर्निंग सेंटर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा, प्रशिक्षण और थेरेपी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं, मोटराइज्ड बिजनेस ऑन व्हील्स, खोखा और कियोस्क जैसी पहलों के जरिए दिव्यांगजनों को स्वरोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। दिव्या ने मुख्यमंत्री, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति आभार जताया। संस्थान का उद्देश्य दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार और समान अवसर उपलब्ध कराकर सम्मानजनक जीवन जीने तथा आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ई-लॉटरी, 17 किसानों में से चार का चयन



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत कृषि यंत्रीकरण योजनाओं में अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए ई-लॉटरी के माध्यम से चार किसानों का चयन किया गया। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक में पारदर्शी तरीके से चयन प्रक्रिया पूरी की गई।

कृषि विभाग के अनुसार, इन-सीटू क्रॉप रेजिड्यू मैनेजमेंट योजना और सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन (एसएमएएम) के तहत कुल 17 किसानों ने आवेदन किया था। इनमें सुपर सीडर के लिए जय चंद, मल्टी क्रॉप थ्रेसर के लिए नरेंद्र सिंह, शुगर केन रेटून मैनेजर के लिए राम किशोर और कल्टीवेटर के लिए जय वीर सिंह का चयन किया गया।

उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने चयनित किसानों से निर्धारित समय में विभागीय पोर्टल पर सूचीबद्ध कंपनियों से ही कृषि यंत्र खरीदने की अपील की। उन्होंने कहा कि यंत्र का बिल विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने के साथ खरीद के तीन दिन के भीतर यूपी यंत्र ट्रैकिंग पोर्टल पर भी विवरण दर्ज कराना अनिवार्य है। निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने पर ही नियमानुसार अनुदान का लाभ मिलेगा।

दीपों की रोशनी और गीतों की मिठास के बीच मना दीपावली मिलन समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। कौशांबी स्थित कैलाश त्रिशूल टावर में सोमवार को दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। दीपों की रोशनी, मधुर गीतों और आपसी प्रेम के माहौल में आयोजित समारोह में क्षेत्र के लोगों ने एक-दूसरे को दीपक भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय पार्षद कुसुम मनोज गोयल शामिल हुईं। समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम का माहौल उस समय और खुशनुमा हो गया, जब 'ज्योत से ज्योत जलाते रहो, प्रेम की गंगा बहाते रहोइ गीत की धुन पर सभी ने एक-दूसरे को दीपक भेंट किए। इस दौरान लोगों ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया। समारोह में मौजूद लोगों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने का काम करते हैं। मुख्य अतिथि पार्षद कुसुम मनोज गोयल ने सभी क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कौशांबी में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। समारोह में लोगों ने एक-दूसरे को दीपक भेंटकर खुशियां बांटीं। आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने दीपावली के पर्व को आपसी प्रेम, सहयोग और सद्भाव के साथ मनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर राकेश कुमार दास, आरके धर, जगमोहन शर्मा, विजय कुमार, संतोष झा, उषा अग्रवाल, लक्ष्मीकांत चानना, अजय गुप्ता, एसके वैश्य, उषा गुप्ता, रामा शर्मा, चांदनी, सुनीता चड्ढा और केएल सेठी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। समारोह का समापन एक-दूसरे को दीपावली की बधाई देने और सुख-समृद्धि की कामना के साथ हुआ।

गोविंदपुरम में मिठाई फैक्ट्री पर छापा, चार क्विंटल रसगुल्ले नष्ट

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य विभाग की टीम ने गोविंदपुरम क्षेत्र में मिठाई बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा। इस दौरान टीम ने करीब चार क्विंटल रसगुल्लों को नष्ट कराया। साथ ही फैक्ट्री से छह खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में तैयार की जा रही मिठाई को राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर (आरडीसी) स्थित एक दुकान पर बिक्री के लिए भेजा जाना था। खाद्य विभाग की कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया। टीम ने मौके पर खाद्य पदार्थों की जांच करते हुए नमूने एकत्र किए, ताकि उनकी गुणवत्ता का पता लगाया जा सके। नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की स्थिति स्पष्ट होगी। विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य आम लोगों को मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री से बचाना है।

दंत प्रत्यारोपण की आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए 50 से अधिक दंत चिकित्सक

वेलकम इंडिया संवाददाता





गाजियाबाद। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार विकसित हो रही आधुनिक तकनीकों और उपचार पद्धतियों से चिकित्सकों को परिचित कराने के उद्देश्य से आईटीएस डेंटल कॉलेज में सोमवार को 11वें व्यापक मौखिक प्रत्यारोपण पाठ्यक्रम के पहले चरण का आयोजन किया गया। दक्षिण कोरिया के पुसान विश्वविद्यालय और सीडब्ल्यूएम इम्प्लांट्स के सहयोग से आयोजित इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 से अधिक दंत चिकित्सकों, विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के सहयोग से आयोजित इस चार चरणों वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य दंत चिकित्सकों को दांतों के प्रत्यारोपण की नवीनतम चिकित्सकीय तकनीकों से अवगत कराना है। इसमें निजी दंत चिकित्सकों, संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों, चिकित्सकों, एमडीएस के विद्यार्थियों और अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध मौखिक प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. विजय सिंह मोरे ने मुख्य वक्ता के रूप में प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने दांतों के प्रत्यारोपण की मूलभूत अवधारणाओं, उपचार की विभिन्न प्रक्रियाओं और आधुनिक तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रत्यारोपण तकनीक के माध्यम से टूटे या गायब दांतों के स्थान पर कृत्रिम दांत लगाए जा सकते हैं, जिससे मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा मिलती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान के साथ व्यावहारिक गतिविधियां और जीवंत शल्य चिकित्सा प्रदर्शन भी आयोजित किए गए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप, मुरादनगर पुलिस ने आरोपी को दबोचा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुरादनगर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और शादी की बात कहने पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुहेल (25) पुत्र नसीम निवासी कस्बा मुरादनगर, गाजियाबाद के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को पीड़िता ने थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया कि सुहेल ने उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। जब उसने आरोपी से शादी करने के लिए कहा तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 69 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। सोमवार, 2 नवंबर 2026 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।